हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार, 12 अगस्त 2025

11 कनीना नगर पालिका कार्यालय में बैलेट पेपर...

12 4 माह से एनएचएम कर्मी को नहीं मिला वेतन...

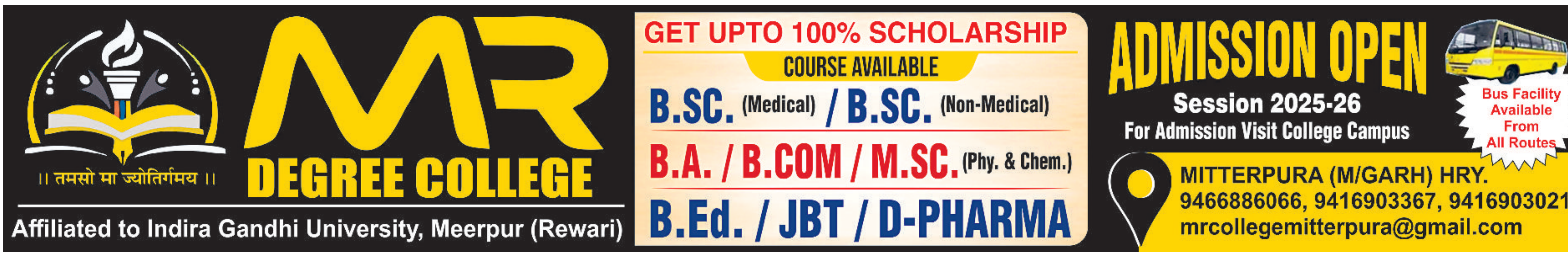

अमरपुर जौरासी माइंस संचालकों ने फोरेस्ट विभाग के 1 किलोमीटर रकबे पर हरे पेड़ों की कटाई करके बनाया 40 फिट चौड़ा रास्ता, ग्रामीणों ने दर्ज कराई शिकायत

- माइंस संचालक पर राजनीतिक पहुंच व पैसों की ताकत से ग्रामीणों को डराने के लगाए आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ निजामपुर

एक तरफ सरकार ने हरियाली को बचाने का अभियान चलाया है। इसके लिए गुरुग्राम में नया वन क्षेत्र तैयार किया जाएगा। दूसरी ओर माइनिंग जोन में हरे पेड़ों पर कुल्हाड़ी की रफ्तार तेजी से बढ़ रही है। अमरपुर जौरासी माइंस संचालक ने करीब एक किलोमीटर रकबे पर हरे पेड़ों की कटाई करके 40 फिट चौड़ा रास्ता बनाया है। जिस पर पंचायत ने ग्रामीणों ने आपत्ति भी दर्ज कराई, लेकिन राजनीतिक पहुंच का इस्तेमाल करके शिकायतों को रद्दी टोकरी में डलवा दिया गया। जिससे आक्रोशित ग्रामीणों ने जिला प्रशासन को धरने प्रदर्शने करने का अल्टीमेटम दिया है।

बसीरपुर, टहला, मुकुंदपुरा के ग्रामीणों ने बताया कि करीब चार महीने पहले अमरपुर जैरासी के पहाड़ को पत्थर खनन के लिए लीज पर छोड़ा गया था। उस दौरान विभाग ने लीज होल्डर को निर्धारित नियमों की पालना करने के निर्देश दिए थे, साथ ही शपथ पत्र लेकर हरे पेड़ों को नुकसान नहीं पहुंचाने की गारंटी मांगी थी, लेकिन माइंस संचालक ने लीज अलॉट होते ही विभागीय नियमों की धाज्जियां उड़ानी आरंभ कर दी।

सबसे पहले बसीरपुर रोड से माइंस तक करीब एक किलोमीटर की लंबाई में 40 फिट चौड़ा रास्ता तैयार कराया गया। इस दौरान रूकावट बनने वाले सैकड़ों हरे पेड़ों को रातोंरात काटकर खुर्दबुर्द कर दिया गया। इसके साथ मुकुंदपुरा व टहला गांव की तरफ से हरे पेड़ों की कटाई करके माइंस की चोटी पर जेसीबी व अन्य मशीने चढ़ाने का रास्ता बनाया गया। यह रास्ता रिजर्व फोरेस्ट के रकबे पर बना है। जहां एक पेड़ काटने की अनुमति मिलना संभव नहीं होता, लेकिन माइंस संचालक ने राजनीतिक पहुंच और पैसों की ताकत से फोरेस्ट विभाग की संपत्ति को नष्ट कर दिया। माइंस के चारों तरफ विभाग के 500 से अधिक हरे पेड़ों को उखाड़ दिया। सूचना मिलने पर मुकुंदपुरा के ग्रामीणों ने जिला प्रशासन को हरे पेड़ों की अवैध कटाई से अवगत करवा दिया। शिकायत को एक महीना बीतने के बावजूद अभी तक माइंस संचालक के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई है। जिससे आक्रोशित ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से फोरेस्ट विभाग की जमीन से रास्ता बंद कराने की गुहार लगाई है। अन्यथा नारनौल सचिवालय पर धरना प्रदर्शन करने का अल्टीमेटम दिया है।

निजामपुर। बसीरपुर सड़क से माइंस तक फोरेस्ट विभाग के हरे पेड़ों को काटकर बनाया गया रास्ता।

फोरेस्ट की संपत्ति को पहुंचाया नुकसान

विभाग के रेंज अधिकारी रजनीश यादव ने बताया कि अमरपुर जौरासी माइंस संचालक ने बसीरपुर तक फोरेस्ट विभाग की जमीन तोड़कर रास्ता बनाया है। इस दौरान हरे पेड़ों को भारी नुकसान पहुंचा है। मौका निरीक्षण करके संचालक की करीब 12 लाख के जुर्माने की रसीद काट दी तथा तीन बार रास्ते को बंद करवा चुके, लेकिन संचालक बार बार रास्ते को खोलकर विभाग की संपति को नुकसान पहुंचा रहा है। जिसके खिलाफ निजामपुर थाना में शिकायत भी दर्ज करवा दी गई है।

युवाओं का शारीरिक अभ्यास करना हुआ बंद

विभिन्न गांवों के अशोक कुमार, महेश कुमार, बिक्रम सिंह, राजबीर ने बताया कि बसीरपुर गांव के पास जंगल में रोजाना सैकड़ों युवा शारीरिक अभ्यास करते हैं, लेकिन बीते तीन महीनों से फोरेस्ट विभाग के हरे पेड़ों को तेजी से काटा जा रहा है, जिसका असर पर्यावरण पर पड़ने लगा है। इसके अलावा वन्य जीव जंतु जंगल से भागने लगे हैं। समस्या से फोरेस्ट विभाग व जिला प्रशासन को अवगत करवा दिया। इसके बावजूद हरे पेड़ों की अवैध कटाई नहीं रूकी है।

खबर संक्षेप

करंट लगने से व्यक्ति की जान गई

महेंद्रगढ़। गांव माजरा खुर्द निवासी 27 वर्षीय व्यक्ति की खेत में बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। मृतक के दो बच्चे है तथा वह मजदूरी का कार्य करता था। सरपंच प्रतिनिधि प्रवीण कुमार ने बताया कि गांव माजरा खुर्द निवासी 27 वर्षीय भूपेंद्र अपने बाजरे के खेत में फव्वारा लाइन बदलने के लिए गया था। उनके खेत में से बिजली की 11 हजार की लाइन जा रही है। खेत में एल्युमीनियम का पाइप उठाया तो उनका पैर स्लिप हो गया और एल्युमीनियम का पाइप बिजली की 11000 की लाइन से टच हो गया।

फिजिकल काउंसलिंग में पहुंचे विद्यार्थी

नारनौल। राजकीय महाविद्यालय में सोमवार को पीजी की रिक्त सीटों के लिए फिजिकल काउंसलिंग आयोजित किया गया। इस काउंसलिंग में एमए इंग्लिश के लिए एक, हिंदी के लिए एक, पॉल्टीकल साइंस के लिए एक, संस्कृत के लिए पांच, एम कॉम के लिए एक, एमएसस बोटनी के लिए एक, जूलोजी के लिए एक, जीयोलॉजी के लिए चार, गणित के लिए एक, जीयोग्राफी के लिए पांच, कैमेस्ट्री के लिए एक, कंप्यूटर साइंस के लिए चार, पीजीडीसीए के लिए दो व पीजी डिप्लोमा इन डिजिटल मार्केटिंग के लिए आठ विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। अब इन विद्यार्थियों को फीस जमा करवानी होगी। फीस जमा करवाने के उपरांत ही दाखिला कन्फर्म माना जाएगा।

'नामकरण' नहीं 'मेडिकल कॉलेज में सुविधा' मुद्दा

सीएम को जिला के जनप्रतिनिधियों ने लिखा पत्र, बोले... जहां तक नामकरण का प्रश्न है, हम इस विवाद से अपने आप को दूर रखना चाहते हैं एवं इसका निर्णय सरकार के विवेक पर छोड़ते हैं

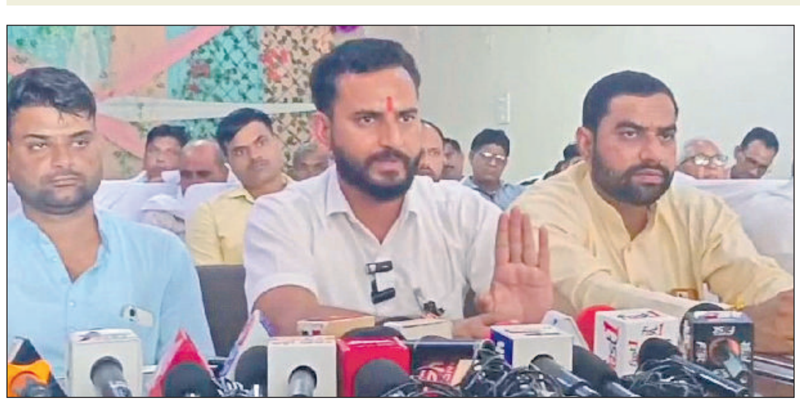

नारनौल। मीडिया से रूबरू होते जनप्रतिनिधि। फोटो : हरिभूमि

सतीश सैनी ▶▶ नारनौल

महर्षि च्यवन मेडिकल कॉलेज कोरियावास के नामकरण विवाद की बजाय अब जनप्रतिनिधि 'सुविधा' की बात करने लगे है। सोमवार जिला के करीब 35 जनप्रतिनिधि मीडिया के सामने आए और जिला के करीब 250 जनप्रतिनिधियों के हस्ताक्षर सहित सीएम को भेजे पत्र में हवाला देते हुए नामकरण विवाद से दूर रहने और मेडिकल कॉलेज में सुविधा देने का आग्रह किया। दावा किया गया कि यहां की ग्राम पंचायतों ने पहले सीएम को पत्र भेजकर कॉलेज का नाम श्रीकृष्ण के नाम पर रखने का आग्रह किया था। यहीं नहीं, इस प्रेस कांफ्रेंस में यह भी खुलासा हुआ कि पहले शहीद राव तुलाराम के नाम पर कॉलेज का नामकरण करने को लेकर जो प्रस्ताव ग्राम पंचायतों से लिए गए थे, उनमें कुछ सरपंचों से खाली लेटरपेड लिया गया था। खाली लेटरपेड भी यह कहकर लिया गया था कि मेडिकल कॉलेज में कोरियावास व जिले के युवाओं को नौकरी में प्राथमिकता मिले। नामकरण का कोई जिक्र नहीं किया गया। ऐसे कुछ सरपंच मीडिया के सामने भी आए और खुलकर अपना पक्ष रखा।

प्रेसवार्ता में यह रहे मौजूद

पंचायत समिति नांगल चौधरी के चेयरपर्सन प्रतिनिधि कर्मपाल यादव ने अध्यक्षता की। उनके साथ नारनौल ब्लॉक चेयरमैन पंकज यादव, निजामपुर चेयरमैन विनोद यादव, धर्मपाल सरपंच रायमलिकपुर सरपंच संघ अध्यक्ष नांगल चौधरी, विक्रम सरपंच सरपंच संघ अध्यक्ष निजामपुर, सुरेन्द्र सरपंच निजामपुर, निहाल सिंह सरपंच मौखूता, गिरधारी सरपंच ब्राह्मणवास, विजय सरपंच नारहेड़ी, रणसिंह सरपंच रावता की ढाणी, प्रकाश सरपंच गोलवा, कृष्ण सरपंच प्रतिनिधि रामबास, अनिल सरपंच गोठड़ी, देवेंद्र सरपंच धौलेड़ा, रामनरेश सरपंच नांगल पीपा, धर्मेन्द्र सरपंच प्रतिनिधि नांगल कालिया, बबरूभान सरपंच प्रतिनिधि दोस्तपुर, कुलदीप सरपंच अमरपुरा, जयसिंह सरपंच प्रतिनिधि नांगल नूनिया, रामजीलाल सरपंच प्रतिनिधि नियामतपुर,भीम सिंह सरपंच प्रतिनिधि थनवास, गगनदीप सरपंच भोजवास, मनोज सरपंच मेघोत बिंजा, मनोज सरपंच प्रतिनिधि मेघोत हाला, महावीर सरपंच प्रतिनिधि बलाहा कलां, सतवीर सरपंच खटोटी कलां, रणसिंह सरपंच खटोटी खुर्द, अचल सिंह सरपंच मकसूदपुर मौजूद रहे।

हरिभूमि के सवाल से खुली कई परतें

हरिभूमि ने प्रेसवार्ता में पंचायत समिति नांगल चौधरी के चेयरपर्सन प्रतिनिधि कर्मपाल यादव से पूछा कि मेडिकल कॉलेज का नाम महर्षि च्यवन की बजाय शहीद राव तुलाराम नामकरण पर जिला के अधिकांश सरपंचों से हस्ताक्षर किए थे। अब आप अपनी लिखित मांग में कह रहे है कि 'जहां तक नामकरण का प्रश्न है, हम इस विवाद में अपने आप को दूर रखना चाहते है एवं इसका निर्णय सरकार के विवेक पर छोड़ते है' इस पर करीब 250 सरपंचों ने सहमति जताई है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब पहले सरपंचों ने हस्ताक्षर किए थे तब दबाव में थे या अब दबाव में है? क्या यह वहीं पंचायत है या अलग है? इस सवाल पर चेयरर्मन प्रतिनिध कर्मपाल ने कहा कि यह वहीं पंचायतें है।

सवाल : फिर अब कैसे मन बदल गया?
जवाब : आप उन सरपंचों से पूछेंगे तो बेहतर रहेगा

सवाल : इनमें अब वहीं सरपंच होंगे जो पहले शहीद राव तुलाराम और अब इस विवाद से दूर रहने के हस्ताक्षर किए है?
जवाब : देखिए आमजन व सरपंच ना तो पहले और ना ही अब किसी विवाद में पड़ना चाहते थे। इसीलिए हमें आना पड़ा। कोई कुछ कहता है कोई कुछ कहता है।

सवाल : दबाव तब था या अब है?
जवाब : दबाव की स्थिति बिल्कुल भी नहीं है। हम स्पष्ट है कि हमें सुविधाओं के अलावा कुछ नहीं चाहिए।

सवाल : फिर यह ह्दय परिवर्तन कैसे हुआ?
जवाब : उसमें कई कारण रहे। मैंने कुछ सरपंचों से बात की, उन्होंने कहा कि हमारे से कुछ ओर चीजें बताकर समर्थन प्रस्ताव दिया था। उन्होंने कहा था कि जमीन के बदले कोरियावास गांव में उनके बच्चों को नौकरी में आरक्षण मिले। ग्रुप सी व डी की नौकरियां है, उसमें भागीदारी हो। ज्यादा से ज्यादा रोजगार के अवसर जिले के लोगों को मिले, इस पर सहमति प्रदान की थी। कुछ सरपंचों का यह कहना था कि कागज पर कुछ लिखा हुआ नहीं था, खाली पर ही हस्ताक्षर व पंचायत की मोहर लगवा ली गई।

सवाल : रामबास के सरपंच यहां बैठे है, वह बताएं नामकरण बदलाव पर कैसे हस्ताक्षर किए?
सरपंच का जवाब : लेटरपेड खाली लिया था। हमें यह बताया कि जब कोरियावास पंचायत ने जमीन दी थी, जब यह कहा गया था कि 40 या 50 प्रतिशत क्लास फॉर की नौकरी दी जाएगी। इस बात पर हमने ग्राम पंचायत का खाली लेटरपेड दिया था।

सवाल : सरपंच महोदय आपने खाली लेटरपेड क्यूं दे दिया?
जवाब : पड़ोसी गांव है। गांव के भी दो चार साथियों ने आग्रह किया। इस कारण दे दिया।

सवाल : इस प्रेसवार्ता में रामबास के अलावा भी कोई ऐसा सरपंच है, जिन्होंने खाली लेटरपेड दिया हो?
जवाब : पीछे बैठे नियामतपुर के सरपंच प्रतिनिधि व रावता की ढाणी के सरपंच रणसिंह ने हाथ खड़े करके मीडिया के समक्ष कहा कि हमें नौकरी में आरक्षण देने की बात कहकर खाली लेटरपेड लिए थे। नामकरण को लेकर कोई बात नहीं हुई।

सीएम को यह भेजा पत्र, 250 जनप्रतिनिधि के हस्ताक्षर का दावा

कोरियावास मेडिकल कॉलेज के संचालन को लेकर सीएम को पत्र भेजा है। इसमें करीब 250 जनप्रतिनिधियों के हस्ताक्षर होने का दावा किया है। इस पत्र के माध्यम से सीएम को कहा है कि जिले के सरपंच एवं अन्य जनप्रतिनिध सरकार का ध्यान क्षेत्र में चल रहे कोरियावास मेडिकल कॉलेज पर राजनीतिक विवाद की ओर आकर्षित करते हुए कहना चाहते है कि इस नव निर्मित मेडिकल कॉलेज को राजनीतिक बर्बादी से बचाया जाए। बीते सोमवार को इस कॉलेज के नामकरण के बदलाव के पक्ष में हुए प्रदर्शन के दौरान एक नवयुवक द्वारा इस कॉलेज को ताला लगाने की धमकी अत्यंत निंदनीय और चिंताजनक है। आजादी के बाद पहली बार इस संस्था के रूप में इस क्षेत्र में एक ऐसी उम्मीद की किरण दिखाई दीहै जहां गंभीर बीमारियों का घर के पास इलाज की संभावना नजर आई है। हम प्रदेश सरकार का धन्यवाद करते है कि इस कॉलेज के निर्माण के लिए उदारतापूर्वक धन उपलब्ध करवाया है और 700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से यह आधुनिक सुविधाओं से युक्त संस्था बनकर तैयार है परंतु दुर्भाग्यवश इस संस्था को जानबूझकर राजनीति का शिकार बनाया जा रहा है। ऐसा लग रहा है कि यह संस्था लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की बजाय राजनीति का अड्डा बनती जा रही है। हम सभी इस क्षेत्र के जिम्मेवार नागरिक यह महसूस करते है कि वर्तमान हालातों पर खामोश रहना जिम्मेवारी से भागने जैसा होगा। अतः हम सभी संबंधित को यह स्पष्ट कर देना चाहते है कि इस क्षेत्र को इस संस्था की सेवाओं की जरूरत है और इस दिशा में कोई भी व्यक्ति, राजनीतिक दल या समूह किसी भी तरह की बाधा उत्पन्न करने की कोशिश करेगा तो उसका हम सख्ती से प्रतिकार करेंगे। हम सभी की सरकार से यह उम्मीद व निवेदन है कि यथाशीघ्र इस मेडिकल कॉलेज में उच्च्तम श्रेणी के डॉक्टरों की नियुक्ति की जाए तथा इस संस्था को ऐसे स्तर पर चलाया जाए कि इस क्षेत्र के किसी भी बीमार व्यक्ति को इलाज के लिए कहीं भी बाहर न जाना पड़े। जहां तक नामकरण का प्रश्न है, हम इस विवाद से अपने आप को दूर रखना चाहते हैं एवं इसका निर्णय सरकार के विवेक पर छोड़ते हैं। परंतु इसके साथ ही हम सरकार को वर्ष 2015 में मुख्यमंत्री की उस घोषणा की याद भी करवाना चाहते हैं जिसके अंतर्गत तत्कालीन मुख्यमंत्री ने महान स्वतंत्रता सेनानी राव तुलाराम के नाम पर उनके शौर्य स्थल नसीबपुर में एक भव्य शहीद स्मारक बनाने की घोषणा की थी। हम सरकार से उम्मीद करते है कि नसीबपुर में एक विशाल शहीद स्मारक का शीघ्र निर्माण प्रारंभ किया जाए और उनके अनेक जन उपयोगी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाए ताकि इस शहीद स्मारक के साथ प्रतिदिन लोगों का लगाव और श्रद्धा के साथ यह युवाओं के लिए एक प्रेरणास्त्रोत बना रहे। इस स्मारक में सन 1857 से लेकर आज तक के सभी शहीदों की स्मृतियां दर्ज की जाएं। हमारा क्षेत्र हमेशा शांतिप्रिय क्षेत्र रहा है और हम किसी भी तरह के विवाद को अपने क्षेत्र से दूर रखना चाहते है। कॉलेज का सही संचालन और शहीद स्मारक का निर्माण दोनों पर ही तुरंत कार्रवाई की जाए।

राजकीय महाविद्यालय सिहमा का नाम अब महंत खेतानाथ रखा, शिक्षा विभाग ने जारी किया पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

राजकीय महाविद्यालय सिहमा का नाम हरियाणा सरकार अब महंत खेता नाथ नाम रखा दिया है। इस संबंध में सोमवार को हायर एजुकेशन विभाग की तरफ से एक पत्र जारी कर दिया गया है। वर्ष 2015 में सरकार की ओर से पत्र जारी होने के अनेक तकनीकी कारणों के चलते इसमें देरी के बाद कॉलेज भवन का निर्माण शुरू हुआ। कॉलेज भवन का उद्घाटन तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सात मार्च 2024 को वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से किया। इस महाविद्यालय भवन में तीन ब्लॉक की बिल्डिंग में लैब के साथ अन्य ब्लॉक भी जरूरत के अनुसार बनाए गए है। इस महाविद्यालय का निर्माण का कार्य पुलिस हाउस कॉर्पोरेशन द्वारा प्रदत्त प्रेरणा रियल स्टेट एजेंसी ने 26 करोड़ 69 लाख रुपये से महाविद्यालय भवन को तैयार किया था। सोमवार हायर एजुकेशन चंडीगढ़ से राजकीय महाविद्यालय सिहमा का नाम महंत खेतानाथ रखे जाने पर ग्रामीणों ने बस स्टैंड पर लड्डू बांटकर खुशी मनाई। इस मौके पर सिहमा की सरपंच सुमन देवी ने तत्कालीन मुख्यमंत्री एवं मौजूदा केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर व विधायक ओमप्रकाश यादव का धन्यवाद किया। 25 मई 2023 को पूर्व मुख्यमंत्री व मौजूदा केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल सिहमा में जनसंवाद में कार्यक्रम में आए थे।

मंडी अटेली। सरपंच सुमन देवी व महाविद्यालय का नाम महंत खेतानाथ रखने पर लड्डू बांटते हुए। फोटो : हरिभूमि

ठेका कर्मचारी ने नप कमरे में लगाया फंदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नगर परिषद भवन परिसर के एक कमरे में रह रहे गन्नौर (सोनीपत) के ट्रैक्टर चालक ने फांसी का फंदा लगाकर मौत को गले लगा लिया। इसकी जानकारी प्रातः करीब 9 बजे नप के कर्मचारियों के आने पर लगी, जिस पर पुलिस को सूचित किया गया। सूचना उपरांत डॉयल 112 की गाड़ी मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी से सिटी पुलिस को अवगत कराया। जानकारी मिलने पर सिटी थाने से काफी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और उक्त कमरे को खोला गया। यह कमरा अंदर से बंद था, जो पुलिस की मौजूदगी में खोला गया। शव को फंदे से उतारने के उपरांत पोस्टमार्टम के लिए उसे नागरिक अस्पताल ले जाया गया।

जानकारी मुताबिक नगर परिषद ने शहर में जलभराव से छुटकारा दिलाने के लिए जल निकासी का टेंडर गन्नौर की एके बिल्डर नामक कंपनी को दिया हुआ है। इसी कंपनी के तहत कुछ कर्मचारी गन्नोर से यहां आए हुए हैं, जिनमें से कुछ नगर परिषद एवं कुछ शहर में बाहर रहते हैं। इन्हीं में से एक ट्रैक्टर ड्राइवर कृष्ण कुमार नगर परिषद के एक कमरे में रहता था, जिसने कमरा अंदर से बंद करके फांसी लगा ली, जिससे उसकी मौत हो गई। जब सुबह नौ बजे नगर परिषद के अन्य कर्मचारी आए तो उन्होंने दरवाजा खोलना चाहा, लेकिन दरवाजा नहीं खुला। इस पर कर्मचारियों ने खिड़की से झांककर देखा तो एक व्यक्ति फांसी पर लटका हुआ दिखाई दिया। इसकी सूचना डॉयल 112 को फोन करके दी। बाद में सिटी पुलिस से भी काफी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और आईओ के आने उपरांत दरवाजा खोलकर शव को फंदे से उतारा गया। शव की पहचान करीब 34 वर्षीय कृष्ण कुमार वासी गांव गढ़ी केसरी थाना गन्नौर जिला सोनीपत के रूप में हुई है। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करने उपरांत शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया।

नारनौल। नगर परिषद में कार्रवाई के लिए पहुंची पुलिस।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
पाठकों के लिए आवश्यक सूचना
"पाठक इनामी योजना 2025" के सभी कूपन अखबार में प्रकाशित हो चुके हैं। इसके प्रपत्र जमा करने प्रारम्भ कर दिये गये हैं। आप अपने प्रपत्र को साधारण डाक द्वारा हरिभूमि के मुख्यालय में भेज सकते हैं। क्षेत्र में स्थित हरिभूमि कार्यालय या अपने नजदीकी समाचार पत्र एजेन्ट के पास भी प्रपत्र पूरा भरकर जमा करवा सकते हैं। फार्म जमा करने की अन्तिम तिथि 30 सितम्बर 2025 रखी गई है। किसी अन्य जानकारी के लिए सम्पर्क करें :-
प्रसार प्रबंधक
हरिभूमि कार्यालय
हरिभूमि, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 8814999173, 9253681005
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

स्वाधीनता दिवस विशेष

यह सही है कि वर्षों गुलामी की जंजीरों की जकड़न से मुक्ति मिलने पर तत्कालीन देश-समाज में महिलाओं की स्थिति अच्छी नहीं थी। लेकिन तमाम विडंबनाओं, चुनौतियों और संघर्षों को पार कर आधी आबादी ने ना केवल खुद को मजबूती से प्रतिष्ठित किया, सशक्त राष्ट्र निर्माण में भी महती भूमिका निभाई, अब भी निरंतर निभा रही है।

आधी आबादी की सहभागिता से सशक्त हो रहा देश-समाज

आवरण कथा
डॉ. मोनिका शर्मा

वास्तव में स्वतंत्र होने के सही मायने, जीवन के हर पहलू पर सशक्त भागीदारी निभाने से जुड़े हैं। इस मोर्चे पर देखें तो भारतीय महिलाओं ने आजादी मिलने के बाद बेहतरीन सफर तय किया है। हमारे देश की स्त्रियां आज परिवार से लेकर देश की सीमाओं तक, हर फ्रंट पर डटी हैं। 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहे आजाद भारत में स्त्रियों की भूमिका और बदलाव की संघर्षपूर्ण यात्रा में स्त्रियों की भूमिका रेखांकित करने योग्य रही है।

पारिवारिक जुड़ाव की महत्वपूर्ण कड़ी

फैमिली सिस्टम किसी देश की आत्मा होता है। परिवार में ही बड़ी पीढ़ी के अनुभव, नई पीढ़ी के जीवन को दिशा देते हैं। नई पीढ़ी के रूप में देश का भविष्य भी घर-आंगन में ही गढ़ा जाता है। स्वतंत्रता के बाद से ही देश के सामाजिक-पारिवारिक माहौल में भी महिलाएं अहम रोल निभाती आई हैं। गृहिणी के रूप में रिश्तों को संभालने की बात हो या काम-काजी महिला के रूप में वर्कफोर्स का हिस्सा बनने की, महिलाओं ने हर तरह से घर-परिवार की बगिया को सींचा है। असल में स्त्रियां ही हमारे फैमिली सिस्टम की लाइफलाइन रही हैं। वास्तव में पारिवारिक रिश्तों का मैनेजमेंट ही समाज को भी स्थिरता देता है। अपनों का यह जुड़ाव अपने राष्ट्र से भी जुड़ने का भाव जगाता है। सुखद यह भी है कि परंपरागत जिम्मेदारियों के निभाने के साथ ही घर-परिवार में स्त्रियां अब लीडरशिप रोल में भी आ गई हैं। स्वतंत्रता के बाद शिक्षित-सजग महिलाओं के आंकड़ों में हुए इजाफे से सोशल, फाइनेंसियल और पर्सनल हर फ्रंट पर फैसले लेने वाली महिलाओं की संख्या बढ़ी है। घरेलू और सामाजिक जीवन में महिलाएं अब स्वतंत्र व्यक्तित्व और विचारों की धनी बन रही हैं। इसके चलते सशक्त समाज के निर्माण में आधी आबादी ने पूरी जिम्मेदारी से अपना मोर्चा संभाल रखा है।

उद्यमिता की दुनिया में दखल

स्वतंत्र भारत की तरक्की में वुमेन वर्कफोर्स का प्रभावी रोल रहा है। स्किल डेवेलपमेंट से लेकर हायर डिग्रियां हासिल करने तक, स्त्रियां किसी भी मामले में पीछे नहीं रहीं। आगे बढ़ने के सतत प्रयास की वजह से देश की उन्नति में भी वे भागीदार बनी हैं।

एआई इमेज

स्त्रियों को इसी जज्बे से क्रिएटिव सोच, साइंस, रिसर्च और आर्म्ड फोर्सेस तक, अपनी जगह बनाने का मनोबल मिला है। गांवों-कस्बों में महिलाएं ड्रोन उड़ा रही हैं। एंटरप्रेन्योरशिप की दुनिया में भारतीय महिलाओं का दखल चकित करता है। आज अपना बिजनेस शुरू करने, मैनेज करने और आगे बढ़ाने में स्त्रियां कमाल कर रही हैं। नए प्रोडक्ट्स, सर्विसेस और आइडियाज लेकर एंटरप्रेन्योर बनी महिलाएं आज सफल चेहरों में शुमार हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों और ई-कॉमर्स के जरिए व्यवसाय जमाने वाली महिलाएं तो नई पीढ़ी को प्रेरणा दे ही रही हैं। ट्रैक्सन के एक अध्ययन के मुताबिक भारतीय तकनीकी उद्योग में स्टार्टअप्स में वुमन एंटरप्रेन्योर्स की हिस्सेदारी 18 प्रतिशत से ज्यादा है। वहीं नेशनल सर्वे बताते हैं कि एमएसएमई इंडस्ट्रीज में महिलाओं की भागीदारी 20 फीसदी है। स्वतंत्र भारत के बेहतरी की ओर बढ़ते समाज में महिला उद्यमियों के प्रति सकारात्मक नजरिया और सपोर्ट भी देखने को मिल रहा है। हालिया आंकड़ों के अनुसार देश में वुमेन वर्कफोर्स की भागीदारी बढ़कर 41.7 प्रतिशत हो गई है। वर्कफोर्स में भागीदारी के साथ ही बहुत सी चुनौतियों के बावजूद महिलाएं, एंप्लॉयमेंट देने वाले सेटअप्स भी बना रही हैं। इस देश की नागरिक होने के नाते अपनी भूमिका को पॉजिटिव रूप से विस्तार दे रही हैं। इनोवेशन और स्पेशलाइजेशन के इस संसार में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाना असल में देश की बेहतरी से जुड़ना ही है।

खुद की बेहतरी संग बदलाव

देश, समाज या व्यक्तिगत जीवन, आधी आबादी अपनी पूरी हिस्सेदारी दर्ज करवा रही है। स्वतंत्रता के संग्राम से लेकर समाज में सहज सी बातों-हालातों को बदलने तक, भारतीय महिलाएं उत्साह से जुटी हुई हैं। प्रोफेशनल मोर्चे पर आत्मविश्वास के साथ नए फील्ड्स को एक्सप्लोर कर रही हैं। पर्सनल फ्रंट पर भी खुद की संभाल, देखभाल के भाव को बल मिला है। पारंपरिक छवि में तीज-त्योहार मनाती महिलाएं हंसती-खिलखिलाती नजर आती हैं। वहीं विज्ञान-व्यवसाय और तकनीक के संसार में भी उनकी प्रभावी इमेज नजर आती है। देश-समाज और परिवार की धुरी बन आज की स्त्रियां एक ओर सब कुछ थामे हुए हैं तो दूसरी ओर खुद को संभालने का जज्बा भी कम नहीं है। इसी अवेयरनेस के चलते अपनी सशक्त और समर्थ छवि बनाने-निखारने की सोच पूरे समाज में सकारात्मक बदलाव ला रही है। बदलते परिवेश में बहू-बेटियों

को उनके सपने साकार करने में मदद मिल रही है। ऐसे सभी भाव अपने देश को आगे ले जाने से जुड़े हैं। स्त्रियों का खुदमुख्तार होने का यह जज्बा स्वाधीन भारत की नींव सुदृढ़ करने वाला है।

इस बार नए अंदाज में मनाएं स्वतंत्रता दिवस

स्वाधीनता दिवस, हर भारतवासी के लिए गर्व और उल्लास भरा पर्व होता है। लेकिन इसे आप और भी खास, यादगार बना सकती हैं। इसके लिए आप अपने परिवार के सदस्यों और आस-पड़ोस के लोगों, बच्चों को शामिल कर सकती हैं।

सेलिब्रेशन
रजनी अरोड़ा

स्वतंत्रता दिवस, आजादी की जंग में शहीद हुए स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने, उन्हें श्रद्धांजलि देने और स्वाधीन होने का उत्सव मनाने का दिन है। यह सिर्फ एक राष्ट्रीय अवकाश नहीं, बल्कि परिवार के संग देशभक्ति का भाव जगाने और नई पीढ़ी को भारत की आजादी के संघर्ष की जानकारी देने का सुअवसर भी है। ऐसे कई रचनात्मक तरीके हैं, जिनसे आप अपने परिवार के साथ स्वतंत्रता दिवस के उत्सव को यादगार और अर्थपूर्ण बना सकती हैं।

करें ध्वजारोहण-गाएं राष्ट्रगान: अगर आप किसी सरकारी या निजी संस्थान में काम करती हैं तो वहां ध्वजारोहण जरूर किया जाता होगा, उसमें तो आप शामिल होती ही हैं। लेकिन आप अगर हाउसवाइफ हैं तो अपने घर के आंगन या छत पर भी तिरंगा फहरा सकती हैं। इसके बाद बच्चों समेत सब परिजन मिलकर राष्ट्रगान 'जन गण मन' गाएं। तिरंगे को सलामी दें। बच्चों के संग मिलकर 'भारत माता की जय' के नारे लगाएं। यकीनन इससे सभी के मन में गर्व की अनुभूति होगी।

सार्वजनिक कार्यक्रमों में लें भाग: आमतौर पर स्वतंत्रता दिवस के मौके पर स्कूल-कॉलेज, कार्यालयों में कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। स्वतंत्रता दिवस के दिन रिहायशी इलाकों, सोसाइटी या मुहल्लों में भी कार्यक्रम का आयोजन होता है। इन कार्यक्रमों में परिवार समेत भाग लेकर आप स्वतंत्रता सेनानियों को याद कर सकती हैं।

तिरंगा थीम फैमिली फोटोशूट: इस खास अवसर के लिए पूरे परिवार के लिए व्हाइट ड्रेस चुनें। उसके साथ केसरिया-हरा स्कार्फ, बैज या दुपट्टा भी जोड़ें। घर पर तिरंगे बैकग्राउंड वाला सेटअप बनाएं। बच्चों के हाथों में 'मैं भारत हूं' या 'वंदेमातरम' लिखे कार्ड पकड़ाएं। आप तिरंगा थाम सकती हैं। तिरंगा फहराने के बाद इसी थीम में ग्रुप फोटोज क्लिक करें। इसे सोशल मीडिया पर शेयर करें। ये पल आपके लिए यादगार बन जाएंगे। इस दिन स्वदेशी यानी मेड इन इंडिया उत्पादों का प्रयोग करने का संकल्प भी ले सकती हैं।

देशभक्ति वाली फिल्में देखें: स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने के बाद आप अपने परिवार के साथ देशभक्तिपूर्ण फिल्म देख सकती हैं। इस मौके पर आप 'शहीद', 'लगान', 'रंग दे बसंती', 'चक दे इंडिया', 'स्वदेस', 'मंगल पांडे', 'भगत सिंह', 'तिरंगा', 'बॉर्डर', 'क्रांति' या कोई अन्य पसंद वाली देशभक्तिपूर्ण फिल्म देख सकती हैं। इन फिल्मों को देखते हुए आप स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और उनके संघर्ष के बारे में भी बच्चों को बताएं। इससे उनके मन में देशभक्ति की भावना और सघन होगी।

देशभक्ति संबंधी किताबें पढ़ें: अगर आप पढ़ने की शौकीन हैं तो देशभक्ति संबंधी किताबें भी पढ़ सकती हैं। परिवार के अन्य सदस्यों को भी पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। बच्चों को स्वतंत्रता सेनानियों की जीवन कथाएं या प्रेरक प्रसंग आसान और रोचक तरीके से सुनाएं।

पौधे लगाएं: घर के गार्डन में या आस-पास के पार्क में आप अपने परिवार के साथ आजादी के जश्न के नाम पर एक-एक पौधा जरूर लगाएं। परिवार के सभी सदस्य आगे उनका ख्याल भी रखें। इससे आपको स्वाधीनता दिवस समारोह की याद रहेगी और पौधे के जरिए आप देश के वातावरण को स्वच्छ बनाने में सहभागिता भी निभा सकती हैं। आप अपने पड़ोसियों को भी इसके लिए प्रेरित कर सकती हैं।

महात्म्य
आर.सी.शर्मा

श्रीकृष्ण को भगवान के रूप में हम सब पूजते ही हैं। लेकिन उन्होंने अपनी लौकिक लीलाओं में ऐसे अनेक संदेश दिए, जो आज भी संपूर्ण मानवता के लिए पथ-प्रदर्शक बने हुए हैं।

जीवन-जगत के शाश्वत पथ-प्रदर्शक श्रीकृष्ण

कृष्ण वंदे जगतगुरुम। यह वाक्य सिर्फ धार्मिक श्रद्धा का भाव नहीं है बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए एक जीवन दर्शन भी है। श्रीकृष्ण का स्वरूप इतना विराट है कि उनके अनेक आयाम हैं। वह देवता हैं, लीलानायक हैं, परमब्रह्म हैं, योगेश्वर हैं, राजनीतिज्ञ और कूटनीतिज्ञ भी हैं। कुरुक्षेत्र में उन्होंने अर्जुन को जो गीता का गुरु ज्ञान दिया, वह समय की सीमाओं को पार कर हर समय के लिए एक शाश्वत जीवनमूल्य बन गया है। आज दुनिया जिस तरह से अनेक संकटों से घिरी है, कई तरह के नैतिक भ्रम पसरे हैं, युद्ध की आशंकाएं हर तरफ मंडरा रही हैं, पर्यावरणीय आपदाएं सिर उठाए खड़ी हैं, इंसान मानसिक अवसाद और सामाजिक विघटन से जूझ रहा है और इस सबके बीच समाज से आध्यात्मिक चेतना छीजती जा रही है। ऐसे में भगवान श्रीकृष्ण केवल श्रद्धा का विषय नहीं हैं बल्कि आज के संकटग्रस्त विश्व के शाश्वत समाधान की तरह हैं।

देते हैं संकट से संघर्ष का मंत्र: अगर गहराई से देखें तो महाभारत काल में सिर्फ एक कुरुक्षेत्र का युद्ध हुआ था। लेकिन आज तो दुनिया का हर युवा, वृद्ध और बालक अपने-अपने जीवन के कुरुक्षेत्र में खड़ा है। कोई नौकरी और आत्मसम्मान के बीच द्वंद्वरत है, कोई रिश्तों में मोह और स्वाभिमान की टकराहट से घिरा है, किसी के अंदर धर्म और लोभ का संघर्ष चल रहा है, तो बाहरी तौर पर दुनिया के अनेक राष्ट्रों के बीच अपने अहम का वर्चस्व स्थापित करने के लिए गैरजरूरी युद्ध लड़े जा रहे हैं। ऐसे में आज हर सोचने-समझने वाला व्यक्ति अर्जुन की भांति किंकतर्व्यविमूढ़ खड़ा है। वह युद्ध करना नहीं चाहता और हालात ऐसे हैं कि बिना युद्ध के उनसे निकलना भी संभव नहीं है। ऐसे में स्त्री हो या पुरुष, हर किसी को श्रीकृष्ण जैसे एक सारथी की जरूरत है, जो न केवल उसका रथ हांके, उसे नैतिक विश्वास का संरक्षण भी दे, ताकि वह अपने हिस्से की लड़ाई को पूरे वेग से लड़ सके। यहीं पर मौजूं हो जाता है 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' का मूल विचार यानी तुम्हारा अधिकार केवल कर्म करने का है, फल की चिंता मत करो, को अपनाएं। यही श्रीकृष्ण की सबसे बड़ी शिक्षा है और यही शिक्षा इस संकटग्रस्त विश्व का सबसे बड़ा समाधान है। खासतौर पर स्त्रियों को

ऐसे संबल की आवश्यकता अधिक होती है क्योंकि उनका संघर्ष कई मायने में पुरुषों से भी जटिल और बहुस्तरीय होता है।

देते हैं जीवंत-कर्मरत रहने का संदेश: भले आज विज्ञान और तकनीक ने हमें बहुत भौतिक समृद्धि दी हो, लेकिन अधिकांश लोग तनाव, बेचैनी और अकेलेपन से जूझ रहे हैं। अधिकतर महिलाओं पर घर-बाहर के काम का इतना दबाव बढ़ता जा रहा है कि वे अवसाद से ग्रस्त रहने लगती हैं। ऐसे में जीवन से अरुचि महसूस होने लगती है। इस मानसिक संत्रास और धार्मिक-आध्यात्मिक शून्यता में फिर से गीता के प्रकाश की जरूरत है। गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं, 'योगस्थः कुरु कर्माणि' अर्थात मन को स्थिर करके कर्म करो। गीता का यह श्लोक आज के मेंटल हेल्थ संबंधी विचार और सिद्धांत से पूरी तरह से मेल खाता है, जिसमें कहा गया है कि मन को स्थिर रखें, जो गुजर गया, उसकी परवाह न करें, भविष्य की चिंता में डूबें नहीं और जो वर्तमान है, उसमें डूबकर जीएं। इससे शारीरिक और मानसिक तौर पर खुश रहेंगे।

समझें प्रेम का उदात्त स्वरूप

आज हमें अपने इर्द-गिर्द छल, कपट, स्वार्थ और अनीति का वातावरण दिखता है। ऐसे में हम कृष्ण से नैतिकता और विवेक के संतुलन का पाठ सीख सकते हैं। आज जितने लोग विपन्न पहले कभी नहीं रहे। क्योंकि भोगवादी संपन्नता क्षणिक होती है और आज का पूरा समय ही भोग-लिप्सा का समय है। ऐसे में जरूरत है कि एक बार फिर से हम राधा-कृष्ण के उस आध्यात्मिक प्रेम की तरफ देखें, जो धर्म और आचरण की शुद्धता का पर्याय है, जो निजी भावनाओं को ही नहीं बल्कि वातावरण को प्रेममय बना देता है।

रेसिपी/ ओम प्रकाश गुप्ता

भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव पर्व **जन्माष्टमी (16 अगस्त)** पर आप जरूर व्रत रखेंगी और रात में पूजन के बाद नन्हे कान्हा जी को भोग भी लगाएंगी। इसीलिए इस बार हम आपको बता रहे हैं कई तरह के भोग की रेसिपी।

कान्हा के लिए बनाएं मीठे-मीठे भोग

मीठे गुड़-मखाने

सामग्री : मखाने-100 ग्राम, गुड़ का चूरा-100 ग्राम, सफेद तिल-1 बड़ा चम्मच, घी-तलने के लिए

विधि: कड़ाही में घी गरम करके मंदी आंच पर मखाने तल लें। गुड़ में थोड़ा सा पानी मिलाकर एक तार की चाशनी बनाएं। चाशनी में तले हुए मखाने डालकर अच्छी तरह चलाएं। तिल डालकर थोड़ा और चलाएं। मखानों पर चाशनी चढ़ जाने पर आंच से उतार लें। थोड़ा ठंडा होने पर कड़ाही से निकालें। मीठे गुड़-मखाने तैयार हैं।

मक्खन-मिश्री लड्डू

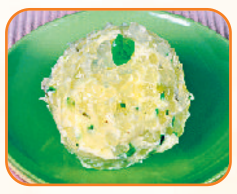

सामग्री : गाय के दूध का मक्खन-250 ग्राम, पिसी चीनी-2 बड़े चम्मच, मिश्री के दाने-1/2 कप, पिस्ता चूरा-1 छोटा चम्मच, तुलसी के पत्ते-थोड़े से

विधि: मक्खन में चीनी मिलाकर अच्छी तरह फेंटें। इसमें आधे मिश्री के दाने और पिस्ता चूरा मिलाकर फ्रीजर में रख दें। 1-2 घंटे बाद मक्खन काफी सख्त हो जाएगा। तब इससे मनचाहे आकार के लड्डू बना लें। इन पर बचे मिश्री के दाने लगाकर फिर से फ्रिज में रख दें। जब चाहें तब ठंडे-ठंडे मक्खन के लड्डू फ्रिज से निकालें और तुलसी के पत्ते से गार्निश करके तुरंत सर्व करें।

दूध-दही पंचामृत

सामग्री : दूध-2 कप, दही-1/4 कप, पिसी चीनी-50 ग्राम, शहद-1 छोटा चम्मच, बादाम-1 बड़ा चम्मच, पिस्ता-1 छोटा चम्मच, घी-1 छोटा चम्मच, गंगा जल-1 छोटा चम्मच, तुलसी के पत्ते-4, चांदी का वर्क-1

विधि: सबसे पहले बादाम और पिस्ते बारीक काट लें। दूध में चीनी घोल लें। इसमें एक कप ठंडा पानी मिला लें। फिर दही, घी, शहद और गंगा जल मिला लें। ऊपर से तुलसी के पत्ते डाल कर कटा बादाम और कटा पिस्ता बुरक दें। दूध-दही पंचामृत तैयार है।

आस्था
अनीता जैन

भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव यानी जन्माष्टमी के पर्व का जितना धार्मिक महत्व है, उतना ही यह आत्मबोध का भी पर्व है। इस दिन श्रद्धा से व्रत पूजन करने से शुभ फलों की प्राप्ति के साथ आत्मोत्थान का मार्ग भी प्रशस्त होता है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी भक्ति-आत्मबोध का दिव्य पर्व

जब-जब धरती पर अधर्म और अत्याचार बढ़ता है, तब-तब भगवान अवतार लेकर धर्म की स्थापना करते हैं। इन अवतारों का उद्देश्य केवल दुष्टों का नाश नहीं, बल्कि मानव समाज को सत्य, प्रेम और कर्तव्य का मार्ग दिखाना भी रहा है। प्रत्येक अवतार मानवता को नया दृष्टिकोण देता है। भगवान विष्णु के सभी अवतारों में श्रीकृष्ण का अवतार सबसे विशिष्ट माना जाता है। श्रीकृष्ण केवल एक पूजनीय देवता ही नहीं, बल्कि वह ऐसे आदर्श पुरुष हैं, जिनके जीवन में भक्ति, नीति, प्रेम और ज्ञान का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। उनके जन्म की रात्रि, जिसे मोहरात्रि कहा गया है, संसारिक मोह से मुक्ति का संदेश देती है।

आध्यात्मिक जागरण का पर्व: जन्माष्टमी केवल उत्सव नहीं, बल्कि आध्यात्मिक जागरण का पर्व है। यह पर्व हमें श्रीकृष्ण के अवतारी जीवन से सीख लेने को प्रेरित करता है। इस अवसर पर हर मंदिर और घर में झूला सजता है, भजन-कीर्तन होते हैं और भक्त रात भर जागरण करते हैं। उपवास, ध्यान और श्रीकृष्ण के नाम स्मरण से मन को शांति और आत्मा को ऊर्जा मिलती है। यह पर्व हमें यह भी सिखाता है कि सच्चा प्रेम, भक्ति और धर्म ही जीवन के शाश्वत आधार हैं।

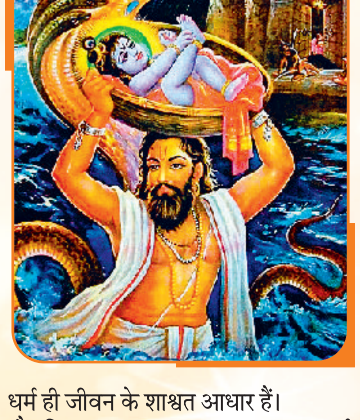

पौराणिक मान्यता: अवतार का तात्पर्य होता है-अव्यक्त से व्यक्त रूप में ईश्वर का प्रादुर्भाव। जब कंस जैसे अत्याचारी का आतंक बढ़ा, तब श्रीहरि ने देवकी-वासुदेव के पुत्र रूप में जन्म लेकर धर्म की पुनः स्थापना का उद्घोष किया। उनके जन्म लेते ही कारागार के बंद द्वार खुल गए, हथकड़ियां टूट गईं और प्रहरी निद्रावश हो गए। श्रीकृष्ण को वासुदेव यमुना पार गोकुल ले गए। यह केवल एक बालक का अवतरण नहीं, बल्कि ब्रह्म का प्रकट होना था। श्रीकृष्ण के इस आलौकिक प्राकट्य ने समस्त जगत को उल्लासित कर दिया। श्रीकृष्ण का संपूर्ण जीवन केवल लीलामय नहीं, बल्कि गूढ़ जीवन-दर्शन से परिपूर्ण है। उन्होंने गोकुल में मुरली के मधुर स्वर से प्रेम का पाठ पढ़ाया, तो कुरुक्षेत्र में गीता के रूप में कर्मयोग का संदेश भी दिया।

श्रीकृष्ण जन्म की रात्रि का आलौकिक महत्व: हमारे धर्मग्रंथों में चार विशेष रात्रियों का उल्लेख है- कालरात्रि (दीपावली), महारात्रि (शिवरात्रि), अहोरात्रि (होली) और मोहरात्रि (जन्माष्टमी)। जन्माष्टमी की रात को योग, ध्यान, जप और उपासना का विशेष महत्व है। इस रात्रि में जागरण से मोह-माया से मुक्त होकर आत्मबोध बढ़ता है।

व्रत-पूजन विधि और महत्व

भविष्य पुराण में जन्माष्टमी व्रत को व्रतराज कहा गया है। जिस घर में यह व्रत श्रद्धापूर्वक किया जाता है, वहां अकाल मृत्यु, कलह, दुर्भाग्य जैसे दोष नहीं आते। इस दिन प्रातः स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें। पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख कर व्रत का संकल्प लें। देवकी-वासुदेव और बालक श्रीकृष्ण की मूर्ति या चित्र को झूले में स्थापित करें। व्रत में देवकी, वासुदेव, नंद, यशोदा, बलराम आदि का नाम लेकर पूजन करें। रात्रि 12 बजे के बाद श्रीकृष्ण के जन्म के समय पंचामृत से अभिषेक करें। इसके बाद भगवान को नवीन पीतांबर वस्त्र पहनाएं, तिलक करें और उन्हें पालने में झुलाएं। पूजन में तुलसी, फूल, अक्षत, धूप-दीप, नैवेद्य का प्रयोग करें। माखन-मिश्री, धनिए की पंजीरी, पंचामृत और मक्खन-शक्कर का भोग लगाएं। झूला झुलाते हुए भजन-कीर्तन करें। आरती के पश्चात प्रसाद को भक्तों में वितरित करें और रात्रि जागरण करें। इस रात मंत्रजप, श्रीकृष्ण नामस्मरण और गीता पाठ करने से विशेष पुण्य प्राप्त होता है। यह पूजन व्यक्ति के जीवन में सुख-शांति और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है।

खबर संक्षेप

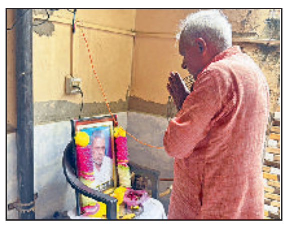

हंसराज यादव के निधन पर विधायक ने किया शोक व्यक्त

नारनौल। विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव ने सोमवार को अपने मंत्री काल के पर्सनल सेक्रेटरी रहे रणवीर यादव के पिता हंसराज यादव के निधन पर उनके पैतृक गांव बलाहा कलां पहुंचकर चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि स्व. हंसराज यादव मिलनसार और धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे, जो हमेशा धार्मिक व सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर भाग लेते थे। बाल विकास एवं सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी ने दूरभाष पर रणवीर यादव को सांत्वना देते हुए परमात्मा से परिवार को इस दुख की घड़ी में शक्ति देने की प्रार्थना की। गौरतलब है कि बलाहा कलां निवासी हंसराज यादव का बीते वीरवार लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वे अपने पीछे दो पुत्र रणवीर व कुलदीप सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए। इस मौके पर उनके भाई सूरत सिंह, मास्टर रामावतार यादव, युवा भाजपा नेता पवन यादव आदि मौजूद थे।

बाबा भीखम दास का विशाल मेला 14 व 15 अगस्त को

महेंद्रगढ़। गांव कुरहावटा में बाबा भीखमदास का दो दिवसीय विशाल मेला 14 व 15 अगस्त को आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुख्यातिथि विधायक कंवर सिंह यादव व पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। कमेटी प्रधान लक्ष्मण सिंह व सत्यवीर सिंह लेफ्टिनेंट रिटायर्ड ने बताया कि 14 व 15 अगस्त को गांव कुरहावटा में विशाल मेले के दौरान खेल प्रतियोगिता में विभिन्न खेलों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि खेलों में ओपन कबड्डी व कुश्ती दंगल आयोजित किए जाएंगे। कबड्डी के मैच 14 अगस्त से शुरू किए जाएंगे। कबड्डी में विजेता टीम को 71 हजार रुपये व उपविजेता टीम को 51 हजार रुपये देकर सम्मानित किया जाएगा। कबड्डी की एंट्री फीस 1100 रुपये होगी। वहीं कुश्ती दंगल में 100 रुपये लेकर 31 हजार रुपये तक की कुश्ती करवाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि 15 अगस्त की रात्रि को भव्य जागरण आयोजित किया जाएगा।

नगर में विकास कार्य करवाने में मिलेगी मदद

कनीना नगर पालिका कार्यालय में बैलेट पेपर से किया एफसीसी सदस्यों का चुनाव

- वार्ड तीन की उषा यादव व नौ के नितेश गुप्ता 8-8 मत लेकर बने विजेता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

नगर पालिका कार्यालय कनीना में सोमवार को सुबह 11 बजे एफसीसी फाइनेंस कांट्रेक्ट कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें दो मनोनीत सहित 16 पार्षदों ने हिस्सा लिया। बैठक में नपा चेयरपर्सन डॉ. रिंपी लोढ़ा व सचिव कपिल कुमार ने एफसीसी के चुनाव को लेकर चर्चा शुरू की। जिस पर पार्षदों ने सहमति न बनने पर बैलेट पेपर से मतदान करवाने का निर्णय लिया।

वीडियोग्राफी के मध्य हुए इस चुनाव में चेयरपर्सन सहित कुल 15 मतदाताओं ने हिस्सा लिया। पार्षदों में से एफसीसी के दो सदस्यों के मुकाबले चार नामांकन दाखिल किए गए। जिनमें वार्ड तीन से उषा यादव, चार से रेखा कुमारी, नौ से नितेश गुप्ता व वार्ड 10 से योगेश कुमार शामिल थे। बैलेट पेपर से हुए मतदान में वार्ड तीन की उषा यादव व वार्ड नौ के पार्षद नितेष गुप्ता को आठ-आठ मत मिले। वहीं वार्ड चार की पार्षद रेखा कुमारी व वार्ड 10 के योगेश कुमार को सात-सात मत मिले। आठ-आठ मत प्राप्त करने वाले पार्षदों उषा देवी व नितेश गुप्ता को निर्वाचित घोषित किया गया। नपा चेयरपर्सन डॉ. रिंपी लोढ़ा के दिशा निर्देशन में हुए इस चुनाव का एजेंडा पार्षदों मंजू देवी, दीपक चौधरी, उषा यादव, रेखा कुमारी, राजकुमार, राकेश कुमार, राजेश देवी, पूजा, नितेश गुप्ता, योगेश कुमार, होशियार सिंह, सुमन देवी, सूबेसिंह, राजेंद्र सिंह लोढ़ा, सवाई सिंह व नीलम देवी सहित डीएमसी रणवीर सिंह, अटेली की विधायक एवं स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव, सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह को पहले ही भेजा जा चुका था। उन्होंने बताया कि एफसीसी कमेटी में छह सदस्य शामिल होते हैं। जिनमें चेयरपर्सन, सचिव, एमई, वाइस चेयरमैन के अलावा दो पार्षद शामिल होते हैं। वाइस चेयरमैन का चुनाव अभी तक नहीं हो सका है। एफसीसी कमेटी के लिए दो पार्षदों का चुनाव होने के बाद विकास कार्य करवाने का रास्ता साफ हो गया है। छह में से चार सदस्य एकमत होकर विकास कार्यों को मंजूरी दे सकेंगे। कमेटी के गठन के बाद एसई की सहमति होने पर नपा क्षेत्र में 50 लाख रुपये से लेकर एक करोड़ रुपये तक के विकास कार्य कराए जा सकेंगे।

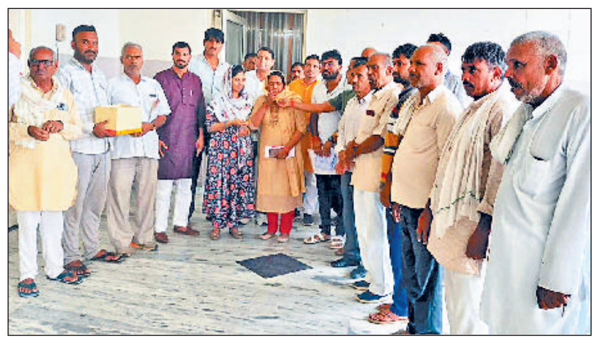

कनीना। एफसीसी के चुनाव के बाद लड्डू बांटकर खुशी जताते नगर पार्षद।

मंडी अटेली। परचेज कमेटी के निर्वाचित सदस्य को मिठाई खिलाते हुए।

अल्का, स्नेहलता नपा परचेज कमेटी के सदस्य चुने गए

मंडी अटेली। अटेली नगर पालिका परचेज कमेटी के दो सदस्य नगर पालिका हाउस की बैठक में सर्वसम्मति से चुने गए। इस हाउस की बैठक की अध्यक्षता चेयरमैन संजय गोयल ने की। इस बैठक में 12 पार्षदों में से केवल आठ पार्षद पहुंच पाए। इस बैठक का समय सुबह 10 बजे रखा गया था। इसके बारे में 48 घंटे पहले सभी पार्षदों को सूचना दे दी गई थी, जिसमें संजय गोयल के अलावा आठ पार्षद सुबह 10 बजे पहुंचे। 10 बजे से साढ़े 10 बजे तक वीडियोग्राफी में इस बैठक का आयोजन किया गया, जिसने पार्षदों की सर्वसम्मति से स्नेहलता एवं अल्का को परचेज कमेटी का सदस्य चुन लिया गया। इसके बाद वाइस चेयरमैन रामकिशन, शर्मिला देवी, मनफूल, अंशुल गोयल पहुंचे, तब तक परचेज कमेटी के सदस्य चुनाव प्रक्रिया संपन्न हो चुकी थी। सर्वसम्मति से परचेज कमेटी का सदस्य चुने जाने के बाद स्वास्थ्य मंत्री के कार्यालय में पहुंचे, वहां पर स्वास्थ्य मंत्री के पीए विकास यादव द्वारा नवनियुक्त परचेज कमेटी के चुने गए सदस्यों मिठाई खिलाकर उनका सम्मान किया गया। नगर पालिका चेयरमैन संजय गोयल ने बताया कि यह दोनों सदस्य केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह और आरती सिंह राव के आशीर्वाद से सर्वसम्मति से बनाए गए हैं। आगे भी केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह और स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के मार्गदर्शन में अटेली नगर पालिका क्षेत्र में तेजी से विकास कार्य करवाए जाएंगे। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री के पीए विकास यादव, गोविंद गोस्वामी, ग्राम पंचायत समिति के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद, मार्केट कमेटी सचिव प्रशांत पाराशर, पार्षद अनिल गुप्ता, राकेश सैनी, मनीष कुमार आदि मौजूद थे।

नारनौल। विद्या भारती स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि फोटो : हरिभूमि

खेलों में विद्या भारती स्कूल निजामपुर के खिलाड़ियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

नारनौल। खंड स्तरीय खेलों में विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। लड़कियों की एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में 100 मीटर रेस व लंबीकूद अंडर-11 में साक्षी पुत्री सुबेसिंह प्रथम व ऊंचीकूद अंडर 11 में अन्नू पुत्री नवदीप प्रथम स्थान पर रही। इसी प्रकार अंडर-14 वर्ग 200 मीटर रेस में हिया पुत्री प्रदीप प्रथम, 100 मीटर रेस में आंचल पुत्री गणेश द्वितीय, अंडर 14 वर्ग 4 गुणा 100 मीटर रेस में आंचल व हिया जिला स्तर पर भाग लेने के लिए क्वालिफाई किया है। इसी प्रकार अंडर 17 में साक्षी पुत्री महेश ने 110 मीटर हर्डल रेस में प्रथम, 4 गुणा 400 मीटर रेस में जिला स्तर पर भाग लेने के लिए क्वालिफाई किया है। अंडर 19 वर्ग में साक्षी पुत्री बलवंत सिंह ने 200 मीटर रेस में प्रथम, 100 मीटर रेस में द्वितीय, साक्षी पुत्री बलवंत ने 4 गुणा 100 मीटर में जिला स्तर पर खेलने के लिए भी क्वालिफाई किया है। चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव व वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर व स्कूल कोच अरमीत तथा पूनम देवी की मेहनत की सराहना करते हुए आगे आने वाले जिला स्तरीय टूर्नामेंट में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए बधाई दी। प्राचार्य विनोद कुमार ने बताया कि इस प्रकार के खेलों व प्रतियोगिताओं से बच्चों में टीमवर्क में काम करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलता है। विद्यालय के प्रबंधक निदेशक एडवोकेट पीयूष यादव व निदेशक डॉ. रविन्द्रा यादव ने विजेता बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कोरियावास मेडिकल कॉलेज में दाखिलों में देरी चिंता का विषयः राव नरेंद्र सिंह

नारनौल। पूर्व मंत्री राव नरेंद्र सिंह ने कोरियावास मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस व बीडीएस के दाखिलों में हो रही देरी को लेकर अपनी चिंता जाहिर की। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि कोरियावास मेडिकल कॉलेज में ओपीडी शुरू हो चुकी हैं, भवन निर्माण का कार्य पूरा हो चुका है। इसके बावजूद इसके दाखिले में देरी के कारण न केवल दक्षिणी हरियाणा, बल्कि उसके साथ लगते राजस्थान के बच्चों के लिए भी चिंता का विषय बन गया है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि इस बार इलाके के छात्र छात्राओं को उम्मीद थी कि यहां दाखिला की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी, लेकिन न होने के कारण बच्चों को कहीं और दाखिला लेने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। जिससे न केवल बच्चों व अभिभावकों को परेशानी हो रही है, बल्कि परिवार को भी आर्थिक नुकसान हो रहा है। राव नरेंद्र सिंह ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि जल्द से जल्द इस मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस व बीडीएस के दाखिलों को शुरू किया जाए, ताकि बच्चों को कहीं बाहर ना जाना पड़े।

राव रामचंद्र स्कूल में जिला स्तरीय हैंडबॉल और बास्केटबाल प्रतियोगिता का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

राव रामचंद्र मेमोरियल पब्लिक स्कूल में जिला स्तरीय हैंडबॉल व बास्केटबाल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। इन प्रतियोगिता की अध्यक्षता रमेश चंद्र यादव ने की। उन्होंने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता के प्रथम सत्र का उद्घाटन किया। आरआरसीएम ग्रुप चेयरमैन रोशनलाल यादव ने रमेश चंद्र यादव, डीपी सुनील कुमार खुडाना, अशोक कुमार, नीरज कुमार पीजीटी भोजावास, दशरथ कुमार टीजीटी डोहर कलां, राकेश कुमार डीपीई कनीना, संजीव कुमार डीपीई गवर्नमेंट स्कूल को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

इन प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न स्कूलों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता के प्रथम सत्र में लड़कियों की आयु वर्ग-14 से लेकर-19 तक की टीमों ने भाग लिया। इसमें बास्केटबाल प्रतियोगिता के-19 आयु वर्ग में आरपीएस विद्यालय, महेंद्रगढ़ की टीम ने प्रथम, आरपीएस विद्यालय, सुराना ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं प्रतियोगिता के-17 आयु वर्ग में यदुवंशी स्कूल, सतनाली की टीम ने प्रथम व मेजबान स्कूल राव रामचंद्र मेमोरियल पब्लिक स्कूल कनीना ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के-14 आयु वर्ग में आरपीएस विद्यालय महेंद्रगढ़ की टीम ने प्रथम व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय करीरा की टीम ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता अगले तीन दिन तक जारी रहेगी। इस प्रतियोगिता में जो प्रतिभागी विजय प्राप्त करेंगे उनको राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित किया जाएगा। जिला स्तरीय प्रतियोगिता के सफल आयोजन में विद्यालय प्रशासन ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कनीना। दीप जलाकर प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए। फोटोः हरिभूमि

यदुवंशी स्कूल के खो-खो खिलाड़ियों ने ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में हासिल किया प्रथम स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

यदुवंशी शिक्षा निकेतन के खो-खो खिलाड़ियों ने ब्लॉक स्तर की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। डीपीई सुभाषचंद व नवीन यादव ने बताया कि ब्लॉक स्तर की लड़कों की यह प्रतियोगिता राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय निम्बी में एक व दो अगस्त अगस्त को आयोजित हुई।

इस प्रतियोगिता में ब्लॉक स्तर के सभी खो-खो खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें यदुवंशी स्कूल के खिलाड़ियों ने अंडर-11 बाल वर्ग की टीम ने प्रथम स्थान, अंडर-14 बाल वर्ग की टीम ने द्वितीय स्थान, अंडर-17 बाल वर्ग की टीम ने प्रथम स्थान व अंडर-19 बाल वर्ग की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। सभी विजेता खिलाड़ी आगामी जिला स्तरीय प्रतियोगिता के प्रतिभागी बनेंगे। हाल की में आयोजित हुई सीबीएसई कलस्टर-15 में भी खिलाड़ियों ने द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया था। वहीं एथलिटिक्स खिलाड़ी हन्नू ने 100 मीटर रेस व लम्बी कूद में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य पवन कुमार ने कहा कि हमारे छात्रों ने अनुशासन, मेहनत और एकजुटता का परिचय देते हुए यह सम्मान प्राप्त किया है। यह केवल जीत नहीं, बल्कि उनके समर्पण और लगन का परिणाम है। ग्रुप चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने खेल प्रशिक्षक नवीन यादव सहित समस्त शारीरिक शिक्षकों व खो-खो के खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यदुवंशी छात्र हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। खेलों में यह उपलब्धि यह दर्शाती है कि हमारे विद्यार्थी शारीरिक व मानसिक रूप से सशक्त हैं। विद्यालय हमेशा ऐसे विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के अवसर देता रहेगा।

वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव, फाउंडर डायरेक्टर डॉ. राजेंद्र सिंह यादव ने विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर शारीरिक शिक्षकों में अमित, कुलबीर, कमल, संदीप पीटीआई ने सभी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया।

महेंद्रगढ़। विजेता बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

बसपा नेता ने की नुकसान का सर्वे करवाकर पीड़ित को आर्थिक सहायता देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

कनीना में राव दानसिंह पेट्रोल पंप के पास स्थित एक ऑटो रिपेयर की दुकान में आग लगने से लगभग 10 लाख रुपये का सामान जलकर राख हो गया। प्रमुख समाजसेवी बसपा नेता अतरलाल ने मौका मुआयना कर नुकसान का जायजा लिया और राज्य सरकार, विधायक व स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव तथा उपायुक्त से नुकसान का सर्वे करवाकर पीड़ति दुकानदार को आर्थिक सहायता देने की मांग की है।

मौका मुआयना के दौरान अतरलाल को दुकान मालिक राजू व जयप्रकाश तथा अनेक दुकानदारों ने बताया कि मंगलवार की रात को शार्ट सर्किट की वजह से ऑटो रिपेयर की दुकान में आग लग गई। जिसमें रखा लगभग 10 लाख रुपये का सामान जलकर राख हो गया। फायर बिग्रेड द्वारा मुश्किल से आग बुझाई गई। आग लगने से दुकान में रखी दो मोटरसाइकिल, दो स्कूटी, दो मोबिल तेल से भरे ड्रम, हाइड्रोलिक लिफ्ट, एयर कंप्रेसर, फर्नीचर सहित अनेक सामान जलकर राख हो गए। आग इतनी प्रचंड थी कि दुकान में लगी लोहे की गाटर पटी में से गाटर भी टूट गए। दुकान में भी काफी नुकसान हो गया। दुकानदारों ने बताया कि इतना ज्यादा नुकसान होने के बाद भी विधायक, जिला व उपमंडल प्रशासन के किसी अधिकारी ने आकर पीड़ित दुकानदार का हालचाल नहीं पूछा। इससे ऑटो रिपेयर मार्केट के दुकानदारों में भारी रोष व्याप्त है।

नारनौल। आग से हुए नुकसान का जायजा लेते बसपा नेता अतरलाल। फोटोः हरिभूमि

नारनौल। अतिथि का स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

एमआर स्कूल अटेली में सीबीएसई टेबल टेनिस कलस्टर की शुरुआत

नारनौल। अटेली स्थित एमआर पब्लिक स्कूल में सीबीएसई की ओर से आयोजित 15वें कलस्टर खेलकूद प्रतियोगिता के तहत टेबल टेबिस खेल की शुरूआत हुई। प्रतियोगिता की शुरूआत सरस्वती मां की उपासना से हुई। मुख्य अतिथि पूर्व उप जिला शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र यादव ने सरस्वती मां की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर पूजा अर्चना की। राजकीय महाविद्यालय अटेली से प्रोफेसर सतपाल यादव ने अध्यक्ष की भूमिका निभाई। सीबीएसई की ओर से आए ऑब्जर्वर जसविन्द्र सिंह, विद्यालय के चेयरमैन सियाराम यादव, एमआर पब्लिक स्कूल मित्रपुरा की प्राचार्या अनिता यादव, प्रबन्धन समिति से विरेन्द्र यादव, अनिता यादव व स्कूल प्राचार्य मनोज कुमार भी मौजूद रहे। प्रतियोगिता में हरियाणा के विभिन्न जिलों से आई विभिन्न टीम शामिल रही, जिनके साथ आए कोच भी उपस्थित रहे। खिलाड़ियों ने अपने स्कूल का झंडा लेकर मार्च पास्ट किया तथा सामूहिक रूप से खेल को खेल की भावना से खेलने की शपथ ली। मुख्य अतिथि राजेन्द्र यादव ने कहा कि खेल जीवन का वह हिस्सा है, जिससे न केवल शारीरिक विकास होता है, बल्कि मानसिक विकास भी बहुत तेज गति से होता है। खिलाड़ी को हार-जीत के लिए तो खेलना चाहिए, लेकिन हार भी जीत का रास्ता खोलती है, इसलिए हारकर भी निराशा नहीं, बल्कि आशा के साथ फिर से प्रयासरत रहना चाहिए।

श्रीकृष्ण स्कूल भुंगारका के 3 छात्रों ने एचएयू में स्थान पाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

श्रीकृष्ण स्कूल भुंगारका के तीन छात्रों ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) हिसार के लिखित प्रवेश परीक्षा में स्थान प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की है। यह उपलब्धि न केवल छात्रों के लिए बल्कि उनके स्कूल व परिवार के लिए भी गर्व की बात है। बता दें कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एक प्रमुख शैक्षिक संस्थान है, जो कृषि व कृषि तकनीक से संबंधित क्षेत्रों में उच्च शिक्षा प्रदान करता है। विद्यालय के यह तीनों छात्र मयंक पुत्र सतेन्द्र, आरीष पुत्र योगेश कुमार व परमजीत पुत्र शिवकुमार ने स्कूल में अपनी पढ़ाई जारी रखते हुए इस परीक्षा में अपना लोहा मनवाया।

मयंक आरीष परमजीत

ज्ञातव्य हो कि यूजी एग्रीकल्चर ऑनर्स विषय के लिए पूरे हरियाणा में 50 सीटें है। जिनमें विद्यालय के इन तीन छात्रों ने अपना स्थान पाकर अपने स्कूल व क्षेत्र को गौरवांवित किया। विद्यालय ने इन प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए समारोह का आयोजन किया। समारोह में स्कूल के छात्र रजत को ब्लॉक स्तर पर साइंस सेमिनार में दूसरा स्थान प्राप्त करने व विभिन्न प्रतिभावान विद्यार्थियों को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। स्कूल प्राचार्य वेदपाल यादव ने बताया कि यह सभी छात्र आरंभ से ही विद्यालय के मेधावी छात्रों में रहे है। प्राचार्य ने छात्रों की इस सफलता के लिए इनके अभिभावकगण व अध्यापकों को बधाई दी।

सार्वजनिक सूचना

मैं लाल चंद पुत्र माडूराम वासी शेखपुरा तहसील नारनौल जिला महेंद्रगढ हरियाणा बयान करता हू कि मेरा पुत्र राज कुमार व उसकी पत्नी निशा देवी व दूसरा पुत्र दीपक कुमार व उसकी पत्नी रीना देवी मेरे कहने सुनने से बाहर है और आए दिन घर में झगडा करते रहते है। इसलिए मैं इनको अपनी चल–अचल संपत्ति से बेदखल करता हू। भविष्य में इनसे लेनदेन करने वाला स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरी व मेरे बाकि परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

नारनौल। एचपीएस स्कूल में विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

एचपीएस में विजेता प्रतिभागियों को किया सम्मानित

नारनौल। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से छात्राओं की ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन चिंडालिया स्थित इन्द्रप्रस्थ स्कूल में किया गया। जिसमें नारनौल ब्लॉक के सभी विद्यालयों से सैकड़ों छात्राओं ने हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। हरियाणा पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेते हुए जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया। विद्यालय के डीपीई मनोज पूनिया ने बताया कि 14 आयुवर्ग 200 मीटर रेस में छात्रा जानवी पुत्री कर्मवीर सिंह ने द्वितीय, मोनिका पुत्री सुरेन्द्र कुमार ने अंडर 19 हाई जंप में दूसरा स्थान हासिल कर जिला स्तर के लिए क्वालीफाई किया। वहीं अंडर 11 की 200 मीटर रेस में नक्ष पुत्र रतनलाल ने प्रथम, शॉटपुट अंडर 17 में छात्र देव कुमार पुत्र राजेश कुमार ने पहला, अंडर 19 शॉटपुट व डिस्कस थ्रो में यश सहरावत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सोमवार को विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए विद्यालय डीन मनोज भारद्वाज व प्राचार्य सुनील यादव ने कहा कि ये विद्यार्थी अब 23 से 26 अगस्त तक अटेली में होने वाली जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इस मौके पर विद्यालय एमडी डॉ. हितेश वर्मा, निधि वर्मा, निदेशक पुष्करमल वर्मा ने विद्यार्थियों को बधाई दी।

डीएसपी के नेतृत्व में थाना प्रभारी, चौकी इंचार्ज सहित पुलिस कर्मचारियों ने निकाली पैदल तिरंगा यात्रा

- हर घर तिरंगा अभियान के तहत पुलिस ने बड़े सम्मान के साथ पैदल तिरंगा यात्रा निकाली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

पुलिस ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत सोमवार को एक भव्य पैदल तिरंगा रैली का आयोजन किया। जिसमें पुलिस अधिकारियों, जवानों, बाइक राइडर्स, साइक्लिस्ट व स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस रैली का उद्देश्य स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देना और नागरिकों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करना था।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार डीएसपी भारत भूषण की अगुवाई में यह रैली लघु सचिवालय से शुरू हुई। रैली में शामिल सभी प्रतिभागी देशभक्ति के नारों के साथ आगे बढ़ रहे थे, जिससे पूरा वातावरण देशभक्ति से गूंज रहा था। यह रैली कोर्ट मोड़, महावीर चौक, गर्ल्स आईटीआई और बहादुर सिंह तालाब से होते हुए पुलिस लाइन में संपन्न हुई। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल ने तिरंगे को सम्मान देते हुए मार्च किया। पुलिसकर्मियों के साथ साथ बाइक राइडर्स और साइक्लिस्ट भी इस रैली का हिस्सा बने, जिससे इसका प्रभाव ओर भी बढ़ गया। सभी ने हाथों में तिरंगा झंडा लेकर शहर की मुख्य सड़कों से होकर मार्च किया। इस दौरान देशभक्ति के नारे गूंजते रहे, जिससे पूरे वातावरण में एकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना भर गई। खास बात यह रही कि डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल के बच्चों ने भी तिरंगा लेकर इस यात्रा में भाग लिया, जिससे युवा पीढ़ी में देश प्रेम की भावना का संचार हुआ।

नारनौल। तिरंगा यात्रा निकालती पुलिस। फोटोः हरिभूमि

रोशनी से जगमग होगा शहर, नपा ने भेजी 3 हजार स्ट्रीट लाइट की डिमांड

महेंद्रगढ़। नगर पालिका कार्यालय महेंद्रगढ़। फोटो : हरिभूमि

- गत वर्ष शहर में लगाई गई थी 2300 स्ट्रीट लाइट, इसके बाद भी कई स्थानों पर रहता है अंधेरा
- अंधेरे के कारण हादसा होने की बनी रहती है आशंका, शहर के लोगों की ओर से स्ट्रीट लगाने की जा रहीं है मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

रात होते ही अंधेरे में डूब जाने वाली शहर की गलियां अब रोशनी से जगमग नजर आएंगी। नगर पालिका की ओर से तीन हजार नई स्ट्रीट लगाने की डिमांग भेजी है। नपा के अधिकारियों का दावा है कि दीपावली के पहले नई स्ट्रीट लाईट लगाने का कार्य शुरू हो जाएगा।

बता दें कि 17 मार्च 2023 को शहर की नपा को प्रदेश सरकार द्वारा हायर की गई एजेंसी के माध्यम से 2300 स्ट्रीट लाइट मिली थी। लेकिन एक साल बीत जाने के बाद भी स्ट्रीट लाईट कार्य नहीं हो पाया था। गत वर्ष जुलाई माह में नगर आयुक्त के आदेश में शहर में स्ट्रीट लाईट लगाने के कार्य शुरू हुआ था। इसके बाद शहर में करीब 2300 स्ट्रीट लाईट लगाई गई थी। इससे शहर के लोगों को काफी राहत मिली थी। लेकिन अभी शहर के कुछ हिस्सों में रात होते ही अंधेरा छा जाता है। ऐसे में नपा की ओर से आमजन की मांग को देखते हुए तीन हजार नई स्ट्रीट लाईट की डिमांग भेजी है।

शहर में छाया रहता है अंधेरा

शहर में कुल 15 वार्ड में कहीं स्ट्रीट लाइटें है जो कहीं खराब पड़ी है। शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में एक भी लाइटें नहीं है। इसके अलावा 11 हट्टा बाजार, ब्रह्मचारी रोड, गोशाला रोड, रेलवे रोड, मोदाश्रम मंदिर रोड, माजरा चुंगी रोड सहित अन्य जगहों पर रात के समय लाइटें जलती तो कहीं पर अंधेरा रहता है। स्ट्रीट लाइट काफी दिनों से बंद पड़ी है। जिससे रात के समय इस मार्ग पर आने वाले वाहन चालक व राहगीरों को परेशानियों को सामना पड़ रहा है। जिससे वाहन चालक व राहगीरों को दिक्कतों को सामना करना पड़ता है। रात में वाहन चालक व राहगीरों को इस रोड से गुजरने लोगों को कोई अप्रिय घटना होने का डर भी बना रहता है। जबकि इस ओर प्रशासन कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

शहर के हर कोने को रोशन करने की योजना

शहर के हर कोने को स्ट्रीट लाइटों से रोशन करने की योजना नगरपालिका द्वारा बनाई हुई है। पहले खरीदी हुई 2300 लाइटें लगाने का कार्य पूरा हो चुका है। अब नपा की ओर से तीन हजार नई स्ट्रीट लाईट की डिमांड भेजी है। नई स्ट्रीट लगाने के कार्य पूरा होने के बाद शहर के लोगों को रात के समय सुरक्षित माहौल मिलेगा।

-रमेश सैनी प्रधान नगर पालिका

खबर संक्षेप

समाधान शिविर में 94 शिकायतें आई

नारनौल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार जिला व उप मंडल स्तर पर लगाए जा रहे समाधान शिविर की कड़ी में सोमवार को लघु सचिवालय में एसडीएम अनिरुद्ध यादव ने समाधान शिविर में आमजन की शिकायतें सुनी। समाधान शिविर में कुल 94 शिकायतें आई, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही समाधान किया गया। एसडीएम अनिरुद्ध यादव ने आमजन की शिकायत सुनते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर शिकायत की बारिकी से जांच कर मौके पर ही समाधान करें।

ड्रंक एंड ड्राइव अभियान के तहत चालान काटे

नारनौल। ड्रंक एंड ड्राइव अभियान के तहत 21 वाहन चालकों के चालान काटे गए। यह कार्रवाई पुलिस पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के निर्देशानुसार डीएसपी सुरेश कुमार के नेतृत्व में ट्रैफिक पुलिस की ओर से की गई। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क पर नशे में वाहन चलाने वालों पर शिकंजा कसना था। ट्रैफिक पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लगभग 300 वाहन चालकों को चेक किया। इनमें से नशे का सेवन करके चलने वाले 21 वाहन चालकों के अभियान के तहत चालान किए गए। इसके लिए पुलिस की ओर से जिलेभर में नाके लगाए गए।

जिले के करीब 500 कर्मचारी एवं चिकित्सक आर्थिक तंगी से जूझने को मजबूर

4 माह से एनएचएम कर्मियों को नहीं मिला वेतन, 2 घंटे कार्य का बहिष्कार

एनएचएम कर्मचारियों ने कहा-आर्थिक तंगी एवं मानसिक तनाव से, बच्चों की फीस तक के पैसे नहीं है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। सेलरी नहीं मिलने के विरोध में प्रदर्शन करते हेल्थ एनएचएम कर्मचारी।

स्वास्थ्य विभाग में नेशनल हेल्थ मिशन के तहत काम कर रहे करीब 15 हजार कर्मचारी पिछले चार महीने से वेतन से वंचित हैं। महेंद्रगढ़ जिले में भी करीब 500 एनएचएम हेल्थ कर्मचारी एवं चिकित्सक वेतन नहीं मिलने से आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। कमाल की बात यह है कि ये कर्मचारी करीब 27 वर्षों से स्वास्थ्य विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन इन दिनों वेतन नहीं मिलने से आर्थिक संकट एवं मानसिक तनाव से जूझ रहे हैं। इसके विरोध में सोमवार को जिलेभर में हेल्थ कर्मचारियों ने दो घंटे विरोध प्रदर्शन किए और सरकार से वेतन जारी करने की मांग की। स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष डा. पुष्पेन्द्र ने बताया कि सरकार और प्रशासनिक अधिकारियों की अनदेखी से परेशान कर्मचारियों ने आज प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक कार्य का बहिष्कार करते हुए अपने-अपने कार्यस्थलों पर विरोध प्रदर्शन व नारेबाजी करते हुए सरकार से जल्द एनएचएम कर्मचारियों का बकाया वेतन जारी करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि जब तक वेतन जारी नहीं किया जाता, तब तक चरणबद्ध तरीके से आन्दोलन जारी रहेगा।

सिविल सर्जन के कार्यालय में गेट मीटिंग की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष डा. पुष्पेन्द्र ने की तथा मंच संचालन जिला मन्त्री विनोद राव ने किया। जिला मन्त्री विनोद राव ने कहा कि महेन्द्रगढ़ जिले की सभी चिकित्सा संस्थाओं में ब्लॉक वाईज अटेली, नांगल सिरोही, नांगल चौधरी, बूढ़वाल, महेन्द्रगढ़, कनीना, सेहलंग, सतनाली तथा दौचाना में भी एनएचएम कर्मचारियों द्वारा गेट मीटिंग करते हुए बकाया वेतन जल्दी जारी करने की मांग उठाई गई है। वेतन नहीं मिलने से वह परिवार चलाने एवं बच्चों की स्कूल फीस तक अदा नहीं कर पा रहे हैं। प्रदेश कार्यालय सचिव हरकेश ने कहा कि गत दो नवम्बर 2021 को धनतेरस के दिन तत्कालीन मुख्यमन्त्री मनोहर लाल खटट्र द्वारा एनएचएम कर्मचारियों को सातवें वेतन के लाभ देने की सैद्धान्तिक स्वीकृति प्रदान की गई थी।

उक्त सैद्धान्तिक स्वीकृति को 3 वर्ष 9 महीने बीत जाने पर भी आज तक लागू नहीं किया गया है, जिस कारण एनएचएम कर्मचारियों को सातवें वेतन का लाभ तो नहीं मिल पाया है, बल्कि इसके विपरित 29 अक्तूबर 2024 को धनतेरस के दिन ही एनएचएम कर्मचारियों के सेवानियमों को फ्रीज कर दिया गया, जिसके विरोध में पूरे प्रदेश के लगभग 7000 एनएचएम कर्मचारियों द्वारा उच्च न्यायलय में याचिका दायर कर सेवानियमों को फ्रीज के आदेशो पर स्टे ली जा चुकी है, परन्तु वित्त विभाग के उच्च अधिकारियों की घिनोनी साजिश के तहत एनएचएम कर्मचारियों का बजट ही रोक दिया गया है, ताकि माननीय न्यायलय के स्टे आदेश के बाद कर्मचारियों को मिलने वाले वित्तीय लाभ को रोका जा सके। उन्होंने बताया कि महेन्द्रगढ जिले के 400 एनएचएम कर्मचारियों द्वारा भी अलग-अलग केसों के माध्यम से माननीय उच्च न्यायलय चण्डीगढ़ से सेवानियमों को फ्रीज के आदेशों पर स्टे ली जा चुकी है।

यह रहे मौजूद

इस मौके पर नितेश बन्सल, उमेश कश्यप, राकेश, हेमन्त यादव, अशोक जांगड़ा, टीका थापा बहादुर, कंवरपाल, ऊषा चौधरी, कपिल, रेणू यादव, डा. सोनिया चौधरी, डा. दीपक कौशिक, रिन्कू देवी, मीरा यादव, ज्योत्सना यादव, नीतू मारोड़यि, मीना कुमारी, स्नेहलता, हेमन्त गर्ग, लोकेश शर्मा, गौरव कक्कड़, प्रेमप्रकाश, जितेन्द्र यादव, विजय यादव, ऋषिपाल, सन्दीप जोनी व मनीषा कुमारी इत्यादि सैंकड़ों कर्मचारी मोजूद थे।

वेतन नहीं मिलने से एनएचएम कर्मचारी परेशान

अटेली मंडी। उपनागरिक अस्पताल में सोमवार को नेशनल हेल्थ मिशन के कर्मचारियों द्वारा धरना प्रदर्शन व रोष प्रदर्शन किया गया। मुख्य रूप से चार माह से वेतन न मिलने के कारण यह धरना प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर बोलते हुए वरिष्ठ जिला उप प्रधान भूपेंद्र सिंह यादव ने बताया कि सरकार द्वारा पिछले चार माह से उनका वेतन नहीं दिया गया है, जिससे की कर्मचारियों को भूखों मरने की स्थिति आ गई है। उनके द्वारा अबकी बार राखी का त्यौहार भी नहीं मनाया गया। आज महंगाई के युग में पैसों के बगैर कोई भी काम नहीं किया जा सकता तथा यह महीना त्योहारों का ही है। सबसे मुख्य राखी का त्यौहार ही माना गया है, जिसमें बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती है तथा भाई अपनी बहन को उपहार देता है। मगर अबकी बार वेतन न मिलने से कर्मचारियों ने राखी का त्यौहार नहीं मनाया। भूपेंद्र यादव ने बताया कि अगर सरकार उनका वेतन जल्द से जल्द नहीं देती है तो उसके खिलाफ राज्यकारिणी द्वारा कठोर निर्णय लिया जा सकता है, जिसका खामियाजा सरकार को भुगतना पड़ेगा।

जिओ फेंसिंग हाजिरी के विरोध में विधायक को सौंपा ज्ञापन

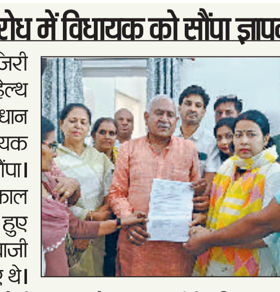

नारनौल। जिओ फेसिंग एप पर हाजिरी लगाने के विरोध में मल्टीपरपज हेल्थ एंपलॉय एसोसिएशन ने राज्य प्रधान शर्मिला देवी की अध्यक्षता में विधायक ओमप्रकाश यादव को एक ज्ञापन सौंपा। बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रातःकाल को नागरिक अस्पताल में एकत्रित हुए तथा वहां से जुलूस की शक्ल में नारेबाजी करते हुए विधायक आवास तक गए थे। इस मौके पर राज्य उपप्रधान सुदेश देवी, राज्य कोषाध्यक्ष धर्मवीर सिंह, राज्य संगठन सचिव कृष्ण कुमार एवं राज्य सहसचिव सुखविंदर भी मौजूद रहे। जिला प्रधान धर्मवीर यादव ने बताया कि सरकार तुगलकी फरमान जारी कर रही है। सरकार ने जिओ फेंसिंग एप वापिस नहीं लिया तो स्वास्थ्य कर्मचारी कोई बड़ा निर्णय लेने पर विचार करेंगे। स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं महानिदेशक हरियाणा के आदेशानुसार सिविल सर्जन द्वारा जिलेभर के सभी नियमित और अनुबंधित स्वास्थ्य अधिकारियों, कर्मचारियों को जिओ फेंसिंग हाजिरी प्रणाली द्वारा जून माह से हाजरी दर्ज करने बारे निर्देश जारी किए हैं। एमपीएचई कर्मचारी एसोसिएशन ने विधायक ओमप्रकाश यादव को बताया कि उक्त अव्यवहारिक और निजता के कानून का हनन करने वाले निर्णय के विरोध में ज्ञापन सौंपने का कदम उठाया गया है।

नारनौल। सोलर पैनल का उद्घाटन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

शहीद भूपसिंह विद्यालय में 5 किलोवाट सोलर पैनल का उद्घाटन

नारनौल। शहीद भूपसिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पचेरी छोटी सिंघाना में सिंघानिया विश्वविद्यालय के सौजन्य से पांच किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि सिंघानिया विश्वविद्यालय चेयरमैन रवि सिंघानिया उपस्थित रहे। रवि सिंघानिया ने कहा कि विश्वविद्यालय की समस्त सुविधाएं क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कक्षा 10वीं, 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में लॉ स्कूल सहित तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा की सभी प्रमुख सुविधाएं उपलब्ध हैं। रवि सिंघानिया ने कहा कि हमारा प्रयास है कि हम केवल पारंपरिक सोच से न जुड़ें, बल्कि विद्यार्थियों को आधुनिक प्रोफेशनल क्षेत्रों से भी जोड़ा जाए। उन्होंने क्षेत्र के सभी स्कूलों की हरसंभव सहायता करने और खेलों में सहयोग देने का भी आश्वासन दिया। प्रो-प्रेसीडेंट एवं चीफ फाइनेंस आफिसर सुनील कुमार सोबती ने कहा कि विश्वविद्यालय में लगातार सुविधाओं का विस्तार हो रहा है और यह आवश्यक है कि क्षेत्र के लोग इनका लाभ उठाएं। प्रधानाचार्य ने अपने भाषण में सिंघानिया विश्वविद्यालय का आभार प्रकट किया और समाजहित के इन कार्यों के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। बलबीर सिंह आर्य (सरपंच, पचेरी छोटी), राजसिंह यादव (अध्यक्ष, सहकारी समिति), राजपाल सिंह यादव (युवा नेता), रविंद्र सिंह ने भी डॉ. डीसी सिंघानिया के योगदान को याद किया।

नांगल चौधरी। शहीद की विरांगना को सम्मानित करते केएल स्कूल के चेयरमैन सुभाषचंद। फोटो : हरिभूमि

केएल मैमोरियल स्कूल के विद्यार्थियों ने निकाली तिरंगा रैली

नांगल चौधरी। केएल मैमोरियल स्कूल इस्लामपुरा के विद्यार्थियों ने आठ गांवों में तिरंगा रैली निकालकर ग्रामीणों की शहीदों की जीवनी से अवगत कराया। स्कूल के चेयरमैन सुभाषचंद ने रैली को हरी झांडी दिखाकर रवाना किया तथा प्राचार्य राजबीर को नेतृत्व करने की जिम्मेवारी सौंपी गई। इस दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न गांवों में शहीदों की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित किए तथा राष्ट्रसेवा का संकल्प लिया। प्राचार्य राजबीर सिंह ने कहा कि युवाओं में राष्ट्रीय सेवा की भावना का समावेश होना अनिवार्य है, क्योंकि युद्ध के दौरान देश को आंतरिक सुरक्षा की अत्यधिक जरूरत होती है। इसके लिए जिला प्रशासन ने सिंदूर ऑपरेशन के दौरान ब्लैक आउट का प्रशिक्षण दिया गया था। यह प्रशिक्षण नियमित रूप से चालू रखना अनिवार्य है। विद्यार्थियों को शहीदों की जीवनी से रूबरू कराने के लिए नांगल दुर्गू गांव में तिरंगा रैली निकाली। यहां शहीद सिंहराम की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके उनकी जीवनी के अध्याय पढ़ा गया। इसके बाद विद्यार्थियों की रैली मूसनोता गांव में पहुंची तथा वहां शहीद हरपाल को श्रद्धांजलि अर्पित की और स्वतंत्रता सेनानी शहीद चंद्राराम की प्रतिमा पर माला अर्पित की। उन्होंने कहा कि शहीद पूरे देश की धरोहर होते हैं, जिनके सम्मान से राष्ट्र का गौरव बढ़ता है। युवाओं की शहीदों की जीवनी का अध्यन करने का संदेश दिया। जिससे राष्ट्रीय एकता और सुरक्षा को मजबूती मिलेगी। नांगल दुर्गू, इस्लामपुरा, मूसनोता, नयागांव में तिरंगा रैली पर पुष्प वर्षा करके अभिनंदन किया गया। इस दौरान निजामपुर थाना इंचार्ज रवि कुमार व विभिन्न गांवों के अभिभावक मुख्य रूप से मौजूद रहे।

खंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता में मॉडर्न स्कूल भोजावास ने 13 स्थान किए प्राप्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विजेता बच्चों को सम्मानित करते हुए।

खंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता चार से सात अगस्त तक एसडी स्कूल ककराला में आयोजित की गई। इन खंड स्तरीय प्रतियोगिता में अंडर-11, अंडर-14, अंडर-17, अंडर-19 के अंतर्गत कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, रिले दौड़, ऊंची कूद लंबी कूद, डिस्कस थ्रो, शॉट पुट, जैवलिन थ्रो, रस्सा कस्सी, 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़,1600 मीटर दौड़, 3000 मीटर दौड़ आदि विभिन्न प्रतियोगिता करवाई गई। इन विभिन्न खेल प्रतियोगिता में मॉर्डन स्कूल भोजावास ने 13 स्थान प्राप्त किए। अंडर-19 रिले दौड़ में प्रिंस पुत्र रोशनलाल, दीपक पुत्र संजीव कुमार, नवीन पुत्र धर्मवीर व आदित्य पुत्र ईश्वर ने रिले दौड़ में दूसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर-19 ऊंची कूद व लंबी कूद में दीपक पुत्र संजीव कुमार ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर-19 की 800 मीटर दौड़ में ईशिका पुत्री पंकज ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर-19 शॉट पुट में शगुन पुत्री यशपाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंडर-19 डिस्कस थ्रो में अदिति पुत्र सुरेंद्र ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर-17 जैवलिन थ्रो में नेहा पुत्री विजेंद्र ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

अंडर-17 जैवलिन थ्रो में भावना पुत्री धर्मेंद्र ने भी दूसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर-17 कबड्डी टीम में रितिका पुत्री बुधराम, अदिति पुत्री सुरेंद्र, आरती पुत्री विक्रम, नेहा पुत्री विजेंद्र, खुशबू पुत्री संजय, गुंजन पुत्र सतवीर, चहक पुत्र नरेंद्र, करिस्ता पुत्री राजीव, पलक पुत्री कृष्ण,साक्षी पुत्री विष्णु दत्त ने भी दूसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर 14 डिस्कस थ्रो और शॉट पुट में जीवितेश पुत्र हवासिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंडर-14 ऊंची कूद में हिमांशु पुत्र भूप सिंह ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर-11 की 400 मी दौड़ में हिमानी पुत्र धर्मवीर ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। इन खंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को संस्था निदेशक राजकुमार यादव, हवासिंह यादव, प्रबंधन समिति सदस्य कुमार मनोज, नवीन कुमार, प्राचार्य अनिल कुमार, वरिष्ठ अध्यापक राकेश कुमार, राम सिंह, कैलाश कमल, अध्यापिका शकुंत सहरावत, शारीरिक शिक्षक राहुल, शारीरिक शिक्षिका बिंटी रानी तथा समस्त स्टाफ सदस्यों ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया।

महेंद्रगढ़। विजेता टीम को सम्मानित करते हुए।

खो-खो अंडर-19 में आनंद स्कूल भिवानी ने जीता गोल्ड मेडल

महेंद्रगढ़। देवयानी इंटरनेशनल स्कूल बेवल में खो-खो सीबीएसई क्लस्टर के मुकाबले में अंडर-19 आयु वर्ग में आनंद स्कूल भिवानी ने गोल्ड पर कब्जा जमाया। इसके अलावा कल्पना चावला स्कूल सोनीपत ने सिल्वर मेडल के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर-17 आयु वर्ग में गीतांजलि स्कूल चरखी दादरी ने गोल्ड के साथ प्रथम और न्यू इंडिया स्कूल हिसार ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर-14 आयु वर्ग में वर्ग में एलबीएस स्कूल रोहतक ने गोल्ड के साथ प्रथम और एनआईएस रोहतक ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। चीफ गेस्ट के रूप में आए ब्लॉक एजुकेशन आफिसर डॉ. विश्वेश्वर, स्पेशल गेस्ट के रूप में एडीओ एवं रेसलिंग कोच नरेंद्र कुंडू ने बच्चों के उत्साहवर्धन में अपने विचार प्रकट किए। उन्होंने स्कूल चेयरमैन सुनील कुमार का धन्यवाद किया कि उन्होंने बच्चों में खेल के प्रति रुचि जागने का काम किया। उनकी देखरेख में खेल का यह कार्यक्रम विधिवत रूप से संपन्न हुआ, इसके लिए उनका धन्यवाद किया। प्राचार्य बलवान सिंह, चेयरमैन सुनील कुमार ने सभी कोच, डीपीई, पीटीआई ने सभी विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी और मेडल देकर सम्मानित किया। सभी अतिथियों ने कहा कि इतना अच्छा टीमवर्क अनुशासन, प्रबंध हमने पहली बार देखने को मिला। उन्होंने कहा कि हमने यह कल्पना भी नहीं की थी, ग्रामीण क्षेत्र में स्थित स्कूल में अंतराष्ट्रीय स्तर की व्यवस्था देखने को मिल सकती हैं।

देश पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने पर यूएस के खिलाफ लोगों में बढ़ रहा है गुस्सा

विभिन्न संगठनों ने किया अमेरिका के खिलाफ प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

राष्ट्रीय स्वदेशी जागरण मंच की ओर से पूरे देश भर में अमेरिका की नीतियों के खिलाफ स्वदेशी के प्रति आग्रह बढ़ाने के लिए स्वावलंबी भारत कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदर्शन किए जा रहे हैं। इस कड़ी में सोमवार को नारनौल जिला केंद्र पर एक प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन शहर के ऐतिहासिक आजाद चौक से शुरू होकर महावीर चौक तक किया गया। इस दौरान बाजार में व्यापारियों व ग्राहकों से मिलते हुए स्वदेशी के पत्रक वितरित किए व अमेरिका के खिलाफ तथा स्वदेशी के पक्ष में नारे लगाए गए। इस प्रदर्शन में स्वदेशी जागरण मंच के जिला अध्यक्ष राजेश शास्त्री, सांस्कृतिक अहीरवाल, भारत विकास परिषद के नगर अध्यक्ष मुकेश जैन, सेवा भारती के नगर अध्यक्ष, आर्य समाज, नर नारायण सेवा समिति, विश्व हिन्दू परिषद व नगर के सामाजिक संगठनों के सदस्य शामिल थे।

नारनौल। अमेरिका के खिलाफ प्रदर्शन करते विभिन्न संगठनों के सदस्य।

इस अवसर प्रदर्शन को जिला अध्यक्ष सांवत सिंह, भारत विकास परिषद से मुकेश जैन, सेवा भारती से अशोक सिंघल, आर्य समाज खरखड़ी से अश्वनी कटारिया, कृष्णा आर्या आदि ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम में स्वदेशी के पालन के लिए जिला संयोजक राजेश शास्त्री ने दुकानदारों व ग्राहकों को शपथ दिलाई। इसमें भारी संख्या में दुकानदारों ने खड़े होकर हाथ फैलाकर शपथ ली। मुख्य वक्ता सांस्कृतिक अहीरवाल के निदेशक सत्यव्रत शास्त्री ने लोगों को सम्बोधित करते हुते कहा कि भारत जब जब आगे बढ़ा है, तब तब इस पर दुनिया की ताकतों ने इसके बढ़ते कदमों को रोकने का प्रयास किया है। जिस समय देश में उपग्रह प्रक्षेपण के लिए क्रायोजेनिक इंजन की आवश्यकता थी, तो अमेरिका के दबाव में रूस ने क्रायोजेनिक इंजन भारत को नहीं दिया। जब भारत को सुपर कंप्यूटर की आवश्यकता थी, तो अमेरिका ने सुपर कंप्यूटर नहीं दिया। दोनों चुनौतियों के समय भारत की प्रतिभा ने इसको अवसर माना और आज दोनों क्षेत्रों में दुनिया की सबसे बड़ी ताकत भारत है। आज एक नई चुनौती भारत को अमेरिका की ओर से मिली है। निश्चित रूप से इस चुनौती को भारत उपलब्धि के रूप में बदलेगा और इसके लिए जनमानस तैयार है।

स्वदेशी अपनाने की ली शपथ

उन्होंने कहा कि हम बहुत लंबे समय के इंतजार की आवश्यकता नहीं है, थोड़े दिनों तक स्वदेशी का व्रत का पालन करते रहे तो अमेरिका ही नहीं समस्त दुनिया भारत की कदमों में झूकेगी, क्योंकि भारत आज उस स्थिति में है, जहां उसको नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। सभी लोगों ने शपथ पूर्वक स्वदेशी अपनाने का संकल्प लिया। इस मौके पर पवन खैरवाल, कप्तान जगराम आर्य, सूबेदार जगराम, राजवीर यादव, शीशपाल यादव, गजेन्द्र बोहरा, मोनू पहलवान, सह संयोजक बजरंगदल, आनन्द प्रकाश व राकेश अटेली आदि मौजूद थे।

एनसीसी के कैंप में आरपीएस की स्वयंसेविकाओं ने जीते गोल्ड मेडल

महेंद्रगढ़। 156 एटीसी, 16-हरियाणा एनसीसी बटालियन की ओर से आयोजित कैंप में आरपीएस सीनियर सेकेंडरी स्कूल की एनसीसी की छात्राओं ने विभिन्न क्रियाकलापों में गोल्ड मेडल जीतकर विद्यालय ही नहीं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। सभी विजेताओं को ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि आज विद्यालय के विद्यार्थी शिक्षा के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। यह सब विद्यार्थियों को समय पर मिल रहे उचित मंच व बेहतर प्रशिक्षकों की मेहनत के बल पर ही संभव हो पाया है। प्राचार्य डॉ. किशोरी तिवारी ने कहा कि विद्यालय में छात्राओं को एनसीसी के माध्यम से देश व समाज सेवा के लिए भी प्रेरित किया जाता है। विद्यालय की छात्रा विराज ने फायरिंग में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल, लक्ष्या ने डांस में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल, दीक्षा ने डांस में द्वितीय स्थान प्राप्त कर सिल्वर मेडल प्राप्त किया है। इसी प्रकार से खो-खो प्रतियोगिता में दीक्षा और ग्रुप ने प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल तथा पूजा, नवीन, सानिया, विराज के ग्रुप ने दूसरा स्थान प्राप्त कर सिल्वर मेडल जीता। इसके अलावा रोप स्किपिंग में लक्ष्या ने प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल तथा रोप स्किपिंग में विराज ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर सिल्वर मेडल जीत कर विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया है।